साप्ताहिक हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 55 | जौनपुर, रविवार, 13 अक्टूबर 2024 | साप्ताहिक दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

टाटा ट्रस्ट के नए चेयरमैन होंगे नोएल टाटा

मुंबई, एजेंसी। रतन टाटा के निधन के बाद उनका उत्तराधिकारी चुनने के लिए टाटा ट्रस्ट की बोर्ड बैठक खत्म हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नोएल टाटा को टाटा ट्रस्ट का नया चेयरमैन बनाया जाएगा। टाटा संस के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा का 9 अक्टूबर को देर रात निधन हो गया था। मुंबई में चल रही टाटा ट्रस्ट के बोर्ड की बैठक के जरिए ही नया चेयरमैन चुना गया। ट्रस्ट का चेयरमैन नियुक्त करने के लिए ट्रस्ट डीड में स्पष्ट गाइडलाइंस दी गई थी। नोएल टाटा मौजूदा समय में टाटा ग्रुप की कंपनियों टाटा स्टील और टाइटन में वाइस–चेयरमैन के पद पर तैनात हैं। उन्होंने 2000 की शुरुआत में टाटा ग्रुप में काम करना शुरू किया था। इस साल की शुरुआत में नोएल टाटा के तीन बच्चों – लिआ, माया और नेविल – को सर रतन टाटा ट्रस्ट और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट से जुड़े कई ट्रस्टों में ट्रस्टी के रूप में नियुक्त किया गया था। लिआ वर्तमान में द इंडियन होटल्स में उपाध्यक्ष हैं जबकि माया टाटा कैपिटल से जुड़ी हैं। नेविल ट्रेंट और स्टार बाजार की लीडरशीप टीम में शामिल हैं। टाटा ट्रस्ट एक प्रमुख निकाय है जो सभी 14 टाटा ट्रस्टों के कार्यों का प्रबंधन करता है। टाटा ट्रस्ट के पास टाटा संस की 65.3 प्रतिशत हिस्सेदारी है और यह भारत के सबसे बड़े कारोबारी समूह को मार्गदर्शन देने का काम करता है।

देश के लिए जरूरी है 'वन नेशन वन इलेक्शन' – गिरिराज सिंह

पटना, एजेंसी। विधान सभा में वन नेशन वन इलेक्शन के खिलाफ प्रस्ताव पास किया गया है। इस पर शुक्रवार को केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा, देश के लिए वन नेशन वन इलेक्शन जरूरी है। उन्होंने कहा, मुझे समझ में नहीं आता है कि कांग्रेस के लोगों को वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर पेट में दर्द क्यों हो रहा है। यह होना चाहिए, नहीं होने से विकास रुकता है। साल भर चुनाव होते रहते हैं। देश में अगर साल भर चुनाव ही होते रहेंगे तो विकास कैसे होगा। इसलिए वन नेशन वन इलेक्शन जरूरी है। बंगाल में आरजे कर मामले को लेकर डॉक्टरों द्वारा भूख हड़ताल जारी है। इस पर केंद्रीय मंत्री ने कहा, बंगाल की सरकार अपराधियों को बचाने का प्रयास कर रही है। दस्तावेजों को अपने पास रख लिए, जिसे सीबीआई को देना चाहिए था। सारे अपराधियों को सरकार का संरक्षण प्राप्त है। उन्होंने आगे कहा, भूख हड़ताल पर डॉक्टरों की तबियत बिगड़ने लगी है। एक जूनियर डॉक्टर के अनुसार, 9 लोग भूख हड़ताल पर थे।

2019 कुंभ के भी रिकार्ड तोड़ेगा महाकुंभ 2025

लखनऊ, संवाददाता। महाकुंभ–2025 को भव्य और दिव्य बनाने के साथ ही योगी सरकार दुनिया के सबसे बड़े आयोजन को पूरी दुनिया के सामने मिसाल के रूप में भी प्रस्तुत करने जा रही है। करीब दो माह तक चलने वाले इस बड़े आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के साथ ही इस बार कुंभ 2019 की तर्ज पर कई बड़े वर्ल्ड रिकॉर्ड्स भी स्थापित किए जाएंगे। ये रिकॉर्ड्स कुंभ 2019 में बनाए गए रिकॉर्ड्स में सुधार करेंगे और सार्वजनिक गतिविधियों में जनभागीदारी की भावना को प्रोत्साहित करेंगे। 2019 में जहां इन गतिविधियों पर योगी सरकार ने 3.5 करोड़ रुपए खर्च किए थे तो वहीं इस बार 5 करोड़ रुपए के बजट का प्राविधान किया गया है। इन रिकॉर्ड्स के जरिए योगी सरकार पूरी दुनिया को ग्रीन एवं स्वच्छ महाकुंभ का संदेश भी देगी।

पिछली बार से ज्यादा खर्च की जाएगी राशि

योगी सरकार ने महाकुंभ–2025 के पावन अवसर पर आम लोगों की सहभागिता को सुनिश्चित करने के लिए व्यापक पैमाने पर तैयारियां की हैं। इसी क्रम में जनसहभागिता के माध्यम से चार गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड भी स्थापित किए जाने की योजना है। इन सभी गतिविधियों को वर्ल्ड रिकॉर्ड के रूप में स्थापित करने के लिए योगी सरकार की ओर से कुल 4.87 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है। इसमें गतिविधियों के प्रबंधन पर सवा दो करोड़ रुपए खर्च होंगे, जबकि अन्य विकास कार्यों पर भी 1.62 करोड़ रुपए का खर्च किया जाएगा। इससे पूर्व 2019 कुंभ में भी कई बड़े वर्ल्ड रिकॉर्ड्स स्थापित किए गए थे, जिन पर योगी सरकार ने 3.53 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि खर्च की थी। इस तरह महाकुंभ 2025 में विभिन्न रिकॉर्ड्स के लिए आयोजित होने वाली गतिविधियों में 1.25 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च की जाएगी।

सामुदायिक भागीदारी की भावना को प्रोत्साहन

कुंभ 2019 में योगी सरकार द्वारा सर्वाधिक हैण्डप्रिंट प्रिंटिंग का रिकॉर्ड्स स्थापित किया गया था। उस दौरान 8 घंटे में 60 फीट के कैनवास पर 7,664 लोगों के द्वारा हस्ताक्षर पेंटिंग में योगदान दिया गया था। यह रिकॉर्ड एक सामुदायिक भागीदारी गतिविधि थी, जिसमें दुनिया भर के लोगों ने भाग लिया। इस गतिविधि ने दक्षिण कोरिया द्वारा बनाए गए 4675 हस्ताक्षरों के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ा। महाकुंभ 2025 में योगी सरकार ने इस गतिविधि में 10 हजार लोगों को सम्मिलित कर नया

रिकॉर्ड स्थापित करने की योजना बनाई है।

ग्रीन एनर्जी और क्लीन एनवायर्नमेंट को मिलेगा बढ़ावा

इसी तरह कुंभ 2019 में योगी सरकार की ओर से मेला क्षेत्र में 28 फरवरी 2019 को सबसे बड़ी बस परेड का आयोजन किया गया था। प्रयागराज मेला प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की परिवहन क्षमता के कुशल प्रबंधन को प्रदर्शित करने के लिए इस गतिविधि के माध्यम से 503 बसों के बेड़े ने शानदार परेड निकाली थी, जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया था। इसने अबुधाबी द्वारा बनाए गए 390 बसों के पिछले रिकॉर्ड को ध्वस्त किया था। महाकुंभ 2025 में ग्रीन एनर्जी और हेल्दी इनवायर्नमेंट के प्रति जागरूकता संदेश देने के लिए एक हजार इलेक्ट्रिक रिक्शा (ई–रिक्शा) की परेड निकालने की योजना है।

स्वच्छता का देंगे संदेश

कुंभ 2019 में घाटों और मेला क्षेत्र की एक साथ सफाई को लेकर भी रिकॉर्ड स्थापित किया गया था, जो योगी सरकार की स्वच्छता और कचरा निपटान प्रणाली के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रेरणा स्थल ने बहादुर जवानों के बलिदान को इतिहास में अंकित किया - राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रेरणा स्थल का उद्घाटन किया। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इस प्रेरणा स्थल के निर्माण ने हमारे उन बहादुर जवानों के बलिदान को इतिहास में हमेशा के लिए अंकित कर दिया है जब तक यह स्थल रहेगा तब तक यह इस क्षेत्र के लोगों को हमारे जवानों के शौर्य से परिचित कराएगा और उन्हें प्रेरणा देगा। मैं हमारे 22 जवानों के बारे में देख रहा था, तो एक बात पर मैंने गौर किया। उन 22 जवानों में से कोई जवान नागालैंड से था, तो कोई उत्तर प्रदेश से, कोई तमिलनाडु से, कोई राजस्थान से, कोई तेलंगाना से, तो कोई आसाम से था। मतलब भारत के लगभग सभी क्षेत्र के सैनिक

उस सूची में थे। भारत के अलग–अलग हिस्सों के होने के बावजूद, इन सैनिकों ने यहाँ के लोगों की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। सम्मेलन में सिंह ने वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को मुख्य भाषण भी दिया। रक्षा मंत्री ने वर्तमान जटिल और अस्पष्ट विश्व स्थिति पर जोर दिया जो विश्व स्तर पर सभी को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि हाइब्रिड युद्ध सहित अपरंपरागत और असममित युद्ध भविष्य के पारंपरिक युद्धों का हिस्सा होगा और यह दुनिया के विभिन्न हिस्सों में हो रहे हालिया संघर्षों में स्पष्ट है। इससे यह जरूरी हो गया है कि सशस्त्र बलों को इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखना चाहिए। योजना बनाना और वैश्विक लोगों को शामिल करने के लिए रणनीति तैयार करना, वर्तमान के साथ–साथ अतीत में भी हुआ, ताकि क्षति नियंत्रण को रोका जा सके। बैठक में एलएसी पर संवेदनशील स्थिति का जायजा लिया गया, खासकर लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में जहां दोनों पक्ष नियमित आधार पर गति रोध और आमने–सामने हो रहे हैं। सम्मेलन दो चरणों में आयोजित किया जा रहा है. पहला चरण गंगटोक में 10–11 अक्टूबर, 2024 तक चलेगा, जबकि दूसरा चरण दिल्ली में 28–29 अक्टूबर, 2024 तक निर्धारित है। रक्षा अधिकारियों ने एएनआई को बताया कि यह पहली बार है कि शीर्ष सेना कमांडरों की महत्वपूर्ण बैठक वास्तविक नियंत्रण रेखा के करीब किसी स्थान पर होगी।

15 अक्टूबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं नायब सिंह सैनी

हरियाणा, एजेंसी। नायब सिंह सैनी के 15 अक्टूबर को पंचकुला में हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने की संभावना है। हालांकि राज्य सरकार ने कार्यक्रम की तारीख और स्थान का उल्लेख करते हुए एक आधिकारिक पत्र जारी किया है। वहीं, सैनी के एक करीबी सहयोगी ने बताया कि वे अभी भी प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धता की पुष्टि का इंतजार कर रहे हैं। अपनी ओर से, हरियाणा सरकार ने शपथ ग्रहण समारोह की व्यवस्था की निगरानी के लिए पंचकुला के उपायुक्त की अध्यक्षता में अधिकारियों की 10 सदस्यीय समिति का गठन किया है। गुरुवार को जारी एक आधिकारिक आदेश में, मुख्य सचिव टी वी एस एन प्रसाद ने कहा कि पंचकुला के अतिरिक्त उपायुक्त और नगर निगम आयुक्त भी समिति के सदस्य होंगे। चूंकि भाजपा ने निवर्तमान मुख्यमंत्री सैनी को सीएम चेहरे के रूप में पेश करके विधानसभा चुनाव लड़ा था, इसलिए पूरी संभावना है कि वह नई सरकार का नेतृत्व भी करेंगे। सैनी के एक करीबी सहयोगी ने बताया कि मुख्यमंत्री के साथ कुछ मंत्री भी शपथ लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी के अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी हिस्सा लेंगे। 90 सदस्यीय हरियाणा विधानसभा में भाजपा ने 48 सीटें जीतीं। भारत की सबसे अमीर महिला सावित्री जिंदल समेत तीन निर्दलीय विधायकों ने भी बीजेपी को समर्थन देने का ऐलान किया है. मुख्य विपक्षी कांग्रेस ने 37 सीटें जीतीं और इंडियन नेशनल लोकदल ने दो सीटें जीतीं। पार्टी ने अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 48 सीट हासिल की है जो कांग्रेस की सीट संख्या से 11 अधिक है। इस चुनाव में जजपा और आप का सफाया हो गया।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम कांग्रेस के लिए बड़े अप्रत्याशित रहे – अशोक गहलोत

जयपुर, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणामों को अप्रत्याशित बताते हुए कहा कि पार्टी की एक समिति द्वारा समीक्षा करने के बाद ही वास्तविक कारणों का पता चलेगा। हालांकि उन्होंने कहा कि इसका असर राजस्थान में कुछ सीटों पर होने वाले उपचुनाव पर नहीं होगा। गहलोत ने यहां हवाई अड्डे पर एक सवाल के जवाब में कहा, ''हरियाणा के चुनाव के परिणाम बड़े अप्रत्याशित रहे। पूरा देश, पूरा प्रदेश, प्रदेशवासी और कार्यकर्ता, मीडिया, 'एक्जिट पोल' सब कांग्रेस की जीत के बारे में बता रहे थे (अनुमान लगा रहे थे) लेकिन अचानक ही परिणाम बिल्कुल उल्टे आ गये। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे साहब और राहुल गांधी जी ने बैठक बुलाई, बातचीत की..आखिर में चिंतन–मनन करने के बाद तय हुआ कि तह में जाना चाहिए कि वास्तविकता में हुआ क्या है। तो वे एक टीम बनायेंगे। टीम सबसे बातचीत करेगी।'' गहलोत ने कहा, '' जब कोई पार्टी चुनाव हारती है तो चर्चा होती है कि पार्टी में गुटबाजी थी या जातीय समीकरण बदल गये या अति आत्मविश्वास हो गया। यही तीन–चार मुद्दे होते हैं लेकिन वास्तविक स्थिति क्या है, मैं समझता हूं कि जब जांच होगी तब वह मालूम हो जाएगा।'' कांग्रेस द्वारा हरियाणा में गठबंधन नहीं किए जाने के सवाल पर गहलोत ने कहा, ''मैं समझता हूं कि जब समिति बनाकर जांच करने फैसला हो गया है तो उसका इंतजार करना चाहिए।

भाजपा से लड़ने में सक्षम है हम - संजय सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। अपनी उच्च जीत की संभावनाओं के बावजूद, कांग्रेस हरियाणा में सत्तारूढ़ भाजपा को हटाने

में विफल रही। इस बीच, इंडिया ब्लॉक पार्टियां पहले ही अति आत्मविश्वास और सहयोगियों को साथ नहीं लेने के लिए कांग्रेस की आलोचना कर चुकी हैं। जबकि शिवसेना–यूबीटी और नेशनल कॉन्फ्रेंस ने हार के लिए कांग्रेस की आलोचना की, समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में सबसे पुरानी पार्टी को लगभग किनारे कर दिया है। उसने 10 सीटों पर आगामी विधानसभा उपचुनावों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है। को ताजा झटका दिया है। हरियाणा में सहयोगियों की अनदेखी के लिए कांग्रेस की आलोचना करते हुए आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि अगर सबसे पुरानी पार्टी ने आप और समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन किया होता तो परिणाम अलग होते। उन्होंने कहा कि कई स्तरों पर रणनीतिक चूक हुई और कांग्रेस को इसकी समीक्षा करनी चाहिए। जम्मू–कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस ने मिलकर चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। अगर ऐसा ही कुछ हरियाणा में होता, आप या समाजवादी पार्टी से गठबंधन होता तो जाट–गैर –जाट की राजनीति भी रोकी जा सकती थी। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा में 17 बागी उम्मीदवारों ने कांग्रेस उम्मीदवारों को हराया। अगले साल फरवरी के आसपास होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने कहा कि आप अकेले ही भाजपा को हराने में सक्षम है।

भारत अपार संभावनाओं से भरा हुआ राष्ट्र है – गजेंद्र सिंह शेखावत

जयपुर, एजेंसी। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने गुरुवार को कहा कि भारत अपार संभावनाओं से भरा हुआ राष्ट्र है। मौजूदा समय में तीव्र गति से विकास कर रहा है। इसमें हमारे समाज का हर वर्ग अपनी अतुलनीय भूमिका निभाता हुआ नजर आ रहा है। डी. वाई. पाटिल कॉलेज में एक कार्यक्रम में गजेंद्र सिंह शेखावत ने युवाओं से संवाद किया और उनसे कई मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। कार्यक्रम संपन्न होने के बाद उन्होंने पत्रकारों से कई मुद्दों पर बात की। उन्होंने कहा, "अब पूरा विश्व इस बात को सहज स्वीकार कर रहा है कि भारत अपार संभावनाओं के द्वार पर खड़ा है। यहां रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति के पास अपार अवसर हैं। उनके पास सफल होने के कई विकल्प हैं। हम लगातार इस अवसर को विस्तृत करने में जुटे हुए हैं। पूरा देश इस बात को स्वीकार कर रहा है कि भारत विकसित होने की दिशा में बढ़ रहा है। उन्होंने आगे कहा, "अब पूरा विश्व इस बात को स्वीकार कर रहा है कि भारत आर्थिक दृष्टि से लगातार तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है, जिसे हम लगातार जीवंत करने में जुटे हुए हैं। इस संकल्प को नया आकार देने का आधार हमारे देश की युवा पीढ़ी के पास है। आगामी दिनों में हम इस संकल्प को जमीन पर किसी भी कीमत पर उतारकर रहेंगे। उन्होंने आगे कहा, "भारत में कैसे विकास की गति तीव्र की जाए, उसी को लेकर आज हमने छात्रों के साथ विस्तारपूर्वक संवाद किया।

आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी ने लान्च किया अग्निस्त्र, खूबियां जानकर दंग रह जाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने गंगटोक में सेना कमांडरों के सम्मेलन के दौरान इंडक्शन के

लिए भारतीय सेना के कोर ऑफ इंजीनियर्स के मेजर राजप्रसाद आरएस द्वारा विकसित अग्निस्त्र पोर्टेबल विस्फोट उपकरण लॉन्च किया। रिजर्व विध्वंस जैसे पारंपरिक और आतंकवाद विरोधी दोनों अभियानों में जबरदस्त क्षमता है। इससे पहले भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने सिक्किम के गंगटोक में सेना कमांडरों के सम्मेलन (एसीसी) की अध्यक्षता की। यह पहली बार है कि यह कार्यक्रम दिल्ली के बाहर रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान पर आयोजित किया गया। पहला चरण गंगटोक में और दूसरा चरण 28–29 अक्टूबर को नई दिल्ली में निर्धारित है। इस बीच, अरुणाचल प्रदेश में 1962 के भारत–चीन युद्ध के दौरान वालोंग की लड़ाई में लड़ने वाले बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने की तैयारी कर रहा है, भारतीय सेना एक महीने तक चलने वाली श्रृंखला शुरू करने के लिए तैयार है। 62वें वालोंग दिवस के उपलक्ष्य में स्मारकीय कार्यक्रम है। इस वर्ष का स्मरणोत्सव स्थानीय समुदायों को शामिल करने और शहीद नायकों की स्मृति का सम्मान करने के उद्देश्य से गतिविधियों के एक जीवंत मिश्रण का वादा करता है।

महाराष्ट्र और झारखंड चुनावों में भी जीत हासिल करेगी बीजेपी - जेपी नड्डा

बिलासपुर, एजेसी। हरियाणा में जीत से गदगद भाजपा ने दावा किया है कि महाराष्ट्र और झारखंड में भी आगामी विधानसभा चुनावों में वह जीत हासिल करेगी। दरअसल, यह दावा किया और ने नहीं, बल्कि खुद भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने किया है। बिलासपुर में श्री नैना देवी मंदिर में मत्था टेकने और कंजक पूजन करने वाले नड्डा ने कहा कि लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की भाजपा सरकार के प्रदर्शन से खुश हैं। नड्डा ने कहा कि मुझे शारदीय नवरात्रों में नवमी के दिन मां नैना देवी का आशीर्वाद लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। हम सब लोग माता के आशीर्वाद से प्रधानमंत्री मोदी जी के विकसित भारत के सपने को पूरा करने में अपनी पूरी ऊर्जा के साथ कार्य करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि पार्टी महाराष्ट्र और झारखंड में आगामी विधानसभा चुनावों में भी जीत हासिल करेगी। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हरियाणा में एक

भ्रम पैदा किया गया है। जमीनी हकीकत कुछ और थी लेकिन माहौल कुछ और ही बना और आखिरकार बीजेपी चुनाव जीत गई और जम्मू–कश्मीर में वोट शेयर बढ़ गया। उन्होंने कहा कि हरियाणा के लोगों– युवाओं, किसानों, महिलाओं और अन्य सभी वर्गों – ने विपक्षी दलों को करारा जवाब दिया और स्पष्ट कर दिया कि वे प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों और नेतृत्व में विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर में छह से आठ प्रतिशत मतदान से लेकर 60 प्रतिशत से अधिक मतदान दिखाता है कि लोग लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास करते हैं और अनुच्छेद 370 को खत्म करने का समर्थन करते हैं। आतंकवाद पर नियंत्रण है और बीजेपी का शासन सिर्फ सत्ता में बैठने के लिए नहीं बल्कि देश को सुरक्षित बनाने के लिए है. दुनिया में व्याप्त परिदृश्य का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी ने कहा है कि यह युद्ध का नहीं बल्कि विकास का समय है और सभी को साथ लेकर चलना चाहिए। सत्तारूढ़ भाजपा ने हरियाणा में सत्ता बरकरार रखने और विधान सभा चुनावों में कांग्रेस की वापसी की कोशिश को रोकने के लिए जीत की हैट्रिक बनाई। भाजपा ने जम्मू–कश्मीर में भी 90 में से 29 सीटें जीतकर उल्लेखनीय बढ़त हासिल की।

संपादकीय

एक सज्जन टाइकून और एक वैश्विक भारतीय

जमशेदजी नुसरवानजी टाटा ने अपने करियर की शुरुआत शाही वाणिज्य में एक छोटे से खिलाड़ी के रूप में की थी। रतन नवल टाटा ने अपने करियर का अंत स्वतंत्र भारत के सबसे प्रसिद्ध और सबसे सम्मानित वैश्विक ब्रांड के प्रतीक के रूप में किया। टाटा घराने के निर्माणकर्ता जेआरडी – जहांगीर रतनजी दादाभाई टाटा के कई ऐतिहासिक, साहसी और कभी–कभी विवादास्पद निर्णयों में से एक रतन को अपना उत्तराधिकारी चुनने का उनका निर्णय था। जेआरडी ने 1991 में दांव लगाया, जो भारतीय आर्थिक और व्यावसायिक इतिहास का एक ऐतिहासिक वर्ष था। आरएनटी ने अपनी उम्मीदों पर खरा उतरा। आरएनटी के दिमाग और दिल के गुणों, उनके व्यावसायिक कौशल, उनके शालीन व्यवहार, प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने में उनके साहस और साथी मनुष्यों के साथ व्यवहार में उनकी करुणा के बारे में बहुत कुछ कहा गया है। कोई भी कहानी उनके आंतरिक अस्तित्व को और साथ ही उनके कार्यालय के बाहर सड़क पर आवारा कुत्तों की देखभाल को नहीं दर्शाती है। भारतीय व्यापार जगत में कई नायक और कई शालीन और दयालु व्यक्ति हैं, लेकिन अभी तक कोई भी ऐसा नहीं है जो आरएनटी जितना सार्वभौमिक सम्मान और सम्मान प्राप्त कर सके। हालांकि, इस मखमली बाहरी आवरण के भीतर स्टील था, इसमें कोई संदेह नहीं है। उनके सहयोगी, आर गोपालक–कृष्णन उन्हें ष्टाटा समूह का वल्लभभाई पटेलष कहते हैं। जब 1993 में जेआरडी की मृत्यु हुई, तो वे अपने पीछे मुगलों के समय की तरह ही एक साम्राज्य छोड़ गए। मुंबई में सम्राट का जमशेदपुर में रूसी मोदी, होटल व्यवसाय को संभालने वाले अजीत केरकर और चाय और सीमेंट बेचने वाले दरबारी सेठ जैसे दूरदराज के इलाकों के क्षत्रपों पर बहुत कम नियंत्रण था। पुराने रक्षकों को उम्मीद थी कि वे युवा रतन को पछाड़ सकते हैं। घटना में, आरएनटी ने उन सभी पर लगाम लगाई, और दूर–दराज के व्यापारिक साम्राज्य पर बॉम्बे हाउस का आधिपत्य स्थापित किया। 1991 में व्यवसाय की कमान संभालना सौभाग्य की बात थी। प्रधान मंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव ने अर्थव्यवस्था को वैश्विक चुनौती और अवसर के लिए खोल दिया था। 1992 में जेआरडी भारत रत्न से सम्मानित होने वाले पहले और अब तक के एकमात्र व्यवसायी नेता बने। आरएनटी को जेआरडी की विरासत का बोझ अपने कंधों पर उठाना था, उन्हें विरासत में मिले साम्राज्य पर नियंत्रण हासिल करना था और एक नई दुनिया में आगे बढ़ना था। ऐसा करके, उन्होंने भारतीय व्यापार जगत के दिग्गजों में अपनी जगह बनाई। मैं पहली बार आरएनटी से एक बिजनेस अखबार के संपादक के तौर पर नहीं बल्कि संयुक्त राज्य अमेरिका के समकक्षों के साथ "ट्रैक टू डायलॉग" नामक एक प्रतिभागी के तौर पर मिला था। मई 1998 के शक्ति परीक्षणों के बाद भारत ने खुद को एक परमाणु हथियार शक्ति घोषित कर दिया था और संयुक्त राज्य अमेरिका ने आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए थे। हालांकि उन प्रतिबंधों का अंतिम प्रभाव मामूली रहा, लेकिन नई दिल्ली में इस बात को लेकर बहुत चिंता थी कि इसका अर्थव्यवस्था पर क्या असर होगा। प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ब्रजेश मिश्रा ने भारतीय उद्योग परिसंघ से संपर्क किया और निजी क्षेत्र को भारतीय और अमेरिकी थिंक टैंक और राय निर्माताओं के बीच बातचीत को वित्तपोषित करने के लिए प्रोत्साहित किया। रतन टाटा उस संवाद के मुख्य प्रायोजक थे। अगले कुछ वर्षों में, भारतीयों और अमेरिकियों का एक समूह दोनों देशों में एक–दूसरे की आशाओं, आशंकाओं और आकांक्षाओं के बारे में खुलकर और खुलकर बात करने के लिए मिला। वह संवाद, जो विदेश मंत्री जसवंत सिंह और अमेरिकी उप विदेश मंत्री स्ट्रोब टैलबोट के बीच आधिकारिक संवाद के समानांतर चला, ने "रणनीतिक साझेदारी में अगले कदम" की नींव रखी, जो 2005 में एक नए रक्षा सहयोग समझौते और 2008 में भारत–अमेरिका असैन्य परमाणु ऊर्जा समझौते के रूप में परिणत हुआ। यह उन बैठकों और संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्राओं के दौरान ही था कि मैं न केवल आरएनटी जैसे सौम्य महापुरुष के करीब आया, बल्कि मैंने पाया कि भारत के बाहर उनका कितना सम्मान किया जाता था। वे दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति थाबो मबेकी के साथ गोल्फ खेलने के बाद हमारी एक बैठक में पहुंचे थे। दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्षों और सरकारों ने उनसे उनके व्यवसायिक नेता के रूप में उनकी स्थिति से कहीं अधिक उनके चरित्र के प्रति गहरे सम्मान के साथ मुलाकात की। इसलिए, आश्चर्य की बात नहीं है कि जब उन्होंने ब्रिटिश ब्रांडों को अपने अधीन करना शुरू किया, तो ब्रिटेन में कोई चिंता नहीं थी। टाटा अफ्रीका के कीचड़ भरे रास्तों से लेकर सिलिकॉन वैली के कार्यालयों तक, दुनिया भर में पहचाने जाने वाला पहला भारतीय ब्रांड बन गया। आरएनटी के कई व्यवसायिक जुनून थे। टीसीएस जैसे कुछ सफल रहे, नैनो जैसे अन्य नहीं। उनका अंतिम और अंतिम जुनून एयर इंडिया था। इसे सरकार ने उनके गुरु जेआरडी से च्युरायाष था। 1986 में राजीव गांधी ने उन्हें एयर इंडिया के बोर्ड की अध्यक्षता करने के लिए आमंत्रित कियां

सामग्री निर्माण के लिए गहन कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर शीर्ष उपकरण

विनोद

एक ऐसा मंच है जो मल्टीमीडिया सामग्री निर्माण में रचनात्मकता और दक्षता बढ़ाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करता है। डीपएआई कई उपकरण

प्रदान करता है जो छवि पहचान, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण और डेटा विश्लेषण का उपयोग करते हैं। 2024 में मल्टीमीडिया सामग्री निर्माण के लिए डीपएआई पर उपलब्ध कुछ शीर्ष उपकरण यहां दिए गए हैं। 1. एआई वीडियो जेनरेटर एआई वीडियो जेनरेटर डीपएआई के असाधारण उपकरणों में से एक है, जो उपयोगकर्ताओं को स्थिर छवियों और टेक्स्ट को मनोरम वीडियो एनिमेशन में बदलने की अनुमति देता है। यह टूल सुचारु बदलाव और गतिशील दृश्य बनाने के लिए उन्नत एल्गोरिदम का उपयोग करता है, जो इसे प्रचार वीडियो और सोशल मीडिया पोस्ट बनाने के लिए आदर्श बनाता है। उपयोगकर्ता अपने वांछित टेक्स्ट और छवियों को इनपुट कर सकते हैं, और एआई बाकी काम संभालता है, मिनटों में पेशेवर– गुणवत्ता वाले वीडियो तैयार करता है। 2. एआई इमेज जेनरेटर डीपएआई का एआई इमेज जेनरेटर पाठ्य संकेतों से अद्वितीय छवियां बनाने के लिए एकदम सही है। यह टूल विभिन्न कला शैलियाँ प्रदान करता है, जो उपयोगकर्ताओं को ऐसी छवियां उत्पन्न करने में सक्षम बनाता है जो उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं से मेल खाती हैं, चाहे विपणन सामग्री, ब्लॉग पोस्ट या रचनात्मक परियोजनाओं के लिए। एआई इमेज जेनरेटर यथार्थवादी चित्रों से लेकर अमूर्त कला तक कुछ भी तैयार कर सकता है, जो दृश्य सामग्री निर्माण के लिए अनंत संभावनाएं प्रदान करता है। 3. एआई छवि संपादक एआई इमेज एडिटर को छवियों को संशोधित करने की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। उपयोगकर्ता त्वरित समायोजन करने के लिए सरल संकेत दर्ज कर सकते हैं, जैसे रंग बदलना, तत्व जोड़ना, या पृष्ठभूमि हटाना। यह उपकरण उन्नत फोटो संपादन कौशल की आवश्यकता के बिना परिष्कृत दृश्य बनाने के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। एआई इमेज एडिटर यह सुनिश्चित करता है कि आपकी छवियां पेशेवर दिखें और आपकी विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करें। 4. एआई म्यूजिक जेनरेटर ऑडियो सामग्री निर्माण में शामिल लोगों के लिए, एआई म्यूजिक जेनरेटर एक गेम–चेंजर है। यह टूल उपयोगकर्ताओं को अपनी वांछित शैली, मनोदशा और गति इनपुट करके मूल संगीत ट्रैक बनाने की अनुमति देता है। एआई फिर संगीत का एक अनूठा टुकड़ा तैयार करता है जिसका उपयोग वीडियो, पॉडकास्ट, गेम और बहुत कुछ के लिए किया जा सकता है। एआई म्यूजिक जेनरेटर विभिन्न शैलियों का समर्थन करता है, जो इसे विभिन्न प्रकार की परियोजनाओं के लिए बहुमुखी बनाता है। 5. एआई अक्षर डीपएआई का एआई कैरेक्टर टूल उपयोगकर्ताओं को मशहूर हस्तियों, सुपरहीरो और अन्य काल्पनिक पात्रों के एआई प्रतिनिधित्व के साथ बातचीत में शामिल होने में सक्षम बनाता है। इस टूल का उपयोग इंटरैक्टिव सामग्री बनाने के लिए किया जा सकता है, जैसे वेबसाइटों के लिए चौटबॉट या आकर्षक सोशल मीडिया पोस्ट। एआई कैरेक्टर टूल सामग्री निर्माण में एक मजेदार और इंटरैक्टिव तत्व जोड़ता है, जिससे दर्शकों के साथ जुड़ना आसान हो जाता है। 6. बैकग्राउंड रिमूवर बैकग्राउंड रिमूवर टूल उन लोगों के लिए आवश्यक है जिन्हें अपनी पृष्ठभूमि से विषयों को शीघ्रता से अलग करने की आवश्यकता है। यह टूल छवियों से पृष्ठभूमि का सटीक रूप से पता लगाने और हटाने के लिए एआई का उपयोग करता है, जिससे उपयोगकर्ता स्वच्छ और पेशेवर दृश्य बना सकते हैं। चाहे आप किसी ऑनलाइन स्टोर के लिए उत्पाद की तस्वीरें तैयार कर रहे हों या किसी प्रेजेंटेशन के लिए ग्राफिक्स बना रहे हों, बैकग्राउंड रिमूवर आपका समय और मेहनत बचा सकता है। 7. कलराइजर कलराइजर टूल श्वेत–श्याम तस्वीरों को जीवंत बनाने के लिए एकदम सही है। एआई का उपयोग करते हुए, यह टूल मोनोक्रोम छवियों में यथार्थवादी रंग जोड़ता है, जिससे उनकी दृश्य अपील बढ़ जाती है। ब्वसवतप्रमत ऐतिहासिक फोटो बहाली, रचनात्मक परियोजनाओं और पुरानी पारिवारिक तस्वीरों को बढ़ाने के लिए आदर्श है। यह आपकी छवियों में एक नया आयाम जोड़ने का एक आसान तरीका प्रदान करता है। 8. सुपर रेजोल्यूशन सुपर रेजोल्यूशन टूल उपयोगकर्ताओं को अपनी छवियों की गुणवत्ता बढ़ाकर उन्हें बेहतर बनाने की अनुमति देता हैसंकल्प। यह टूल विवरण जोड़ने और कम–रिजॉल्यूशन वाली छवियों की स्पष्टता में सुधार करने के लिए एआई का उपयोग करता है, जिससे वे मुद्रण या उच्च–गुणवत्ता वाले डिजिटल डिस्प्ले के लिए उपयुक्त हो जाते हैं। सुपर रेजोल्यूशन विशेष रूप से फोटोग्राफरों, डिजाइनरों और ऐसे किसी भी व्यक्ति के लिए उपयोगी है, जिन्हें गुणवत्ता खोए बिना छवियों को बेहतर बनाने की आवश्यकता होती है। 9. फसल काटना अनक्रॉप टूल को किसी छवि के किनारों को विस्तारित करने, उसे प्रभावी ढंग से अनक्रॉप करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह टूल नई सामग्री तैयार करने के लिए एआई का उपयोग करता है।

हिंसा से नहीं विकास से होगा नक्सलवाद का खात्मा

योगेंद्र

लोकतंत्र का रास्ता छोड़ कर हथियारों के बल पर क्रांति लाने का ख्वाब पाले नक्सलियों को इसकी कीमत अपने खून से लगातार चुकानी पड़ रही है। हथियारों के बल पर हिंसा के जरिए दहशत फैलाने वाले नक्सलियों को यह समझ में नहीं आया कि क्रांति वहां होती है, जहां राजशाही या तानाशाही का शासन हो। लोकतंत्र में लोकतांत्रिक तरीकों से अपनी मांग मनवाई जा सकती है। इसका सीधा रास्ता है चुनाव की प्रक्रिया के जरिए अपने मनपसंद प्रतिनिधियों को चुनना और कानून बनवाना। इसके विपरीत हथियारों के बलबूते हिंसा के रास्ते पर चलने का नतीजा खून–खराबे के अतिरिक्त कुछ नहीं हो सकता। नक्सली प्रभावित इलाकों में सुरक्षा बलों की लगातार कसती जा रही घेराबंदी में बड़ी तादाद में युवा नक्सलियों की जान जा रही है। छत्तीसगढ़ में नारायणपुर–दंतेवाड़ा सीमा के पास सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के साथ जंगल में हुई मुठभेड़ में 32 माओवादियों को मौत के घाट उतार दिया। अब तक ऐसी सैकड़ों मुठभेड़ों में भटके हुए युवा हजारों की संख्या में अपनी जान गंवा चुके हैं। सुरक्षा बलों की संख्या और मजबूती के सामने नक्सली कहीं नहीं टिक सकते। यह जानते हुए भी नक्सलवाद एक हारी हुई लड़ाई है, गुमराह नक्सली जान देने पर आमदा हैं। इससे ज्यादा अफसोसजनक बात क्या हो सकती है, बदलाव के लिए जिन युवाओं के हाथों में कलम, कम्प्युटर या ऐसे ही समाज और राष्ट्रनिर्माण के उपकरण हो सकते हैं, उनके हाथों में हथियार हैं। इसमें भी उन्हें कहीं चौन–सुकून नहीं है। पुलिस की गोली जंगलों में कब उनका काम तमाम कर दे, इसका डर उन्हें दिन–रात सताता रहता है। परिवार और समाज से दूर यायावरों की तरह जंगलों में भटकने वाले नक्सलियों पर हर वक्त मौत का साया मंडराता रहता है। देश की आजादी को 75 साल से ज्यादा हो गए। देश में बदलाव लाने के लिए नक्सलियों के हिंसात्मक आंदोलन को भी 6 दशक से ज्यादा का समय हो गया। नक्सलियों का दायरा लगातार सिकुड़ता जा रहा है। कभी आठ–दस राज्यों में प्रभाव रखने वाले नक्सलियों का दायरा सिमटता हुआ दो–तीन राज्यों में रह गया। देश की पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त और सशक्त कार्रवाई के सामने नक्सली बौने साबित हुए हैं। इस वर्ष अब तक दंतेवाड़ा और नारायणपुर समेत सात जिलों वाले बस्तर क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने अलग–अलग मुठभेड़ों में 171 माओवादियों को मार गिराया है। नक्सलवाद की शुरुआत पश्चिम बंगाल के एक छोटे से गांव नक्सलबाड़ी से हुई थी। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता कानू सान्याल और चारू माजूमदार ने सरकार के खिलाफ 1967 में एक मुहिम छेड़ी थी।

भारत को सतर्क रहने की आवश्यकता

आदित्य

यदि आप पाकिस्तान की सरकार चलाने वालों की दिशा के बारे में जानना चाहते हैं, तो इसके जासूस प्रमुख, यानी इंटर–सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के महानिदेशक की पसंद पर कड़ी नजर रखें। पाकिस्तान में (सेना प्रमुख के बाद) यह दूसरा सबसे शक्तिशाली पद है, जो विभिन्न प्रतिस्पर्धी ताकतों – पाकिस्तानी ष्प्रतिष्ठानष (अर्थात सेना), नागरिक राजनीतिज्ञों, मौलवियों, अंतरराष्ट्रीय भागीदारों (जैसे चीन, अरब शेखों और संयुक्त राज्य अमेरिका) और यहां तक कि तथाकथित गैर–राज्य अभिनेताओं, आदि के बीच मुख्य पुल के रूप में कार्य करता है। हाल ही में लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक को आईएसआई के नए महानिदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है, जिसमें पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की स्पष्ट छाप और उनकी स्पष्ट प्राथमिकता है। लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार के ढोंग से परे, जो पूरी तरह से असंभावित भागीदारों – पीएमएल–एन और पीपीपी – के च्वयनितष गठबंधन द्वारा संचालित है – वर्तमान पाकिस्तानी आख्यान में असली खिलाड़ी जनरल असीम मुनीर हैं। इसलिए, लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक की उनकी पसंद शुभ संकेत है। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि आईएसआई डी–जी की नियुक्ति के लिए कोई औपचारिक प्रक्रिया नहीं है, न तो सेना अधिनियम में और न ही संविधान में (आखिरी निर्णय के लिए सेना प्रमुख द्वारा पीएम को तीन नामों का प्रस्ताव देने की प्रथा को छोड़कर)। अतीत के विपरीत, इस बात की कोई खबर नहीं थी कि तीन संभावित उम्मीदवार कौन थे (यदि थे भी), और इंटर–सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) द्वारा एक गुप्त घोषणा ने पुष्टि की कि लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक नए आईएसआई डी–जी होंगे। आईएसआई डी–जी राष्ट्रीय नियति को महत्वपूर्ण रूप से आकार दे सकते हैं, जैसा कि "धार्मिक विचारधारा वाले" आईएसआई डी–जी लेफ्टिनेंट जनरल मुहम्मद रियाज खान ने जनरल जिया–उल हक के तख्तापलट का समर्थन करके किया था, या उनके उत्तराधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल अख्तर अब्दुस रहमान ने 1980 के दशक में अफगानिस्तान में आईएसआई–सीआईए अभियान में किया था। वे कुख्यात लेफ्टिनेंट जनरल हामिद गुल (ष्तालिबान के पिताष) की तरह गैर–पेशेवर महत्वाकांक्षाएं भी रख सकते हैं या लेफ्टिनेंट जनरल जावेद नासिर, लेफ्टिनेंट जनरल अहमद सुशा पाशा या लेफ्टिनेंट जनरल महमूद अहमद की तरह कट्टर और ष्पश्चिम विरोधीष हो सकते हैं। कुछ लोग घरेलू राजनीति में खुलेआम हस्तक्षेप करते थे और लेफ्टिनेंट जनरल जहीरुल इस्लाम की तरह व्यक्तिगत अनैतिकताओं में फंसे थे। लेकिन शायद हाल के दिनों में सबसे ज्यादा विक्षिप्त और राजनीतिक रूप से (इमरान खान के साथ) जुड़े हुए व्यक्ति काफी सुर्खियों में रहने वाले लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद हैं, जो अब कोर्ट मार्शल का सामना कर रहे हैं, जिन्हें व्यावहारिक रूप से आईएसआई से हटा दिया गया था और बाद में रावलपिंडी जीएचक्यू में उनके वरिष्ठों द्वारा ष्सेवानिवृत्तष कर दिया गया था। आज उन्हें इमरान खान का साथ देने के परिणाम भुगतने पड़ रहे हैं, जो पाकिस्तानी ष्प्रतिष्ठानष के खिलाफ लड़ रहे थे, विडंबना यह है कि पहले उन्हें ही चुना गया था। अनिवार्य रूप से, प्रत्येक आईएसआई डीजी ने राष्ट्रीय आख्यान पर एक अमिट छाप छोड़ी क्योंकि वे अपनी वैचारिक और पक्षपातपूर्ण मान्यताओं के अनुरूप इसे हेरफेर करने की स्थिति में थे। कई मायनों में, वर्तमान आईएसआई डीजी पाकिस्तान के बड़े स्वर और आचरण को परिभाषित करता है। उस तर्क के अनुसार, लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक जैसे शुद्ध पेशेवर की पसंद आश्वस्त करने वाली प्रतीत होती है। पाकिस्तानी सैनिकों के गढ़ (सरगोधा) से और मार्शल अवान कबीले से आने वाले, वे सैंडहर्स्ट–शिक्षित लेफ्टिनेंट जनरल गुलाम मुहम्मद मलिक के पुत्र हैं। खुद पाकिस्तान मिलिट्री अकादमी से स्वॉर्ड ऑफ ऑनर प्राप्त, उन्होंने वजीरिस्तान और बलूचिस्तान के अशांत क्षेत्रों सहित महत्वपूर्ण कमांड और स्टाफ पोस्टिंग में काम किया है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उनसे ष्पश्चिम विरोधीष होने की उम्मीद नहीं की जाती है, यह देखते हुए कि उन्होंने यूएस आर्मी के साथ फोर्ट लीवनवर्थ और यूके में रॉयल कॉलेज ऑफ डिफेंस स्टडीज में प्रशिक्षण लिया है "पाकिस्तान–अमेरिका संबंधों" के संवेदनशील विषय पर, उन्हें एक निश्चित रणनीतिक सूक्ष्मता, संयम और दृष्टिकोण में माप प्रदान करना चाहिए। यह देखते हुए कि एक ब्रिगेड और एक डिवीजन की उनकी वरिष्ठ कमान की जिम्मेदारियों में डूरंड रेखा (पाकिस्तान–अफगान सीमा) के पार से आतंकवाद विरोधी अभियान और क्रॉसफायर शामिल हैं, नियंत्रण रेखा (भारत के साथ) से खतरों के विपरीत, उन्हें धार्मिक उग्रवाद और "आतंक नर्सरी" को पोषित करने के घातक प्रभावों के बारे में पता होना चाहिए, क्योंकि ये फ्रेंकस्टीन के राक्षसों में बदल गए हैं। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि पाकिस्तान भारत को "शत्रु" मानने की अपनी मूल धारणा को बदल देगा, यह पाकिस्तान की "स्थापना" के लिए अपनी प्रासंगिकता और फूले हुए बजट को बनाए रखने के लिए एक अस्तित्वगत वास्तविकता बनी रहेगी। लेकिन पाकिस्तानी "स्थापना" द्वारा कभी बीज बोए और पोषित किए गए तत्वों द्वारा उनके सैनिकों पर अभूतपूर्व आतंकवादी हमलों और मौतों को देखते हुए, धार्मिक उग्रवाद को बढ़ावा देना पीछे की सीट ले सकता है। उनकी प्रोफाइल स्वाभाविक रूप से अमेरिका और अन्य पश्चिमी संरक्षकों के लिए सुलभ है, जिन्हें हाल के दिनों में लेफ्टिनेंट जनरल अहमद सुशा पाशा या लेफ्टिनेंट जनरल महमूद अहमद जैसे ष्पश्चिम विरोधीष आईएसआई डी–जी से ठंडे स्वागत का सामना करना पड़ा। उनसे यह भी अपेक्षा की जाती है कि वे पादरी वर्ग के संशोधनवादी राजनेताओं या ष्तालिबान खानष (इमरान खान) जैसे लोगों से दूरी बनाए रखें, जिनकी राजनीति प्रतिगामी, शुद्धतावादी और प्रतिक्रियावादी होती है। ऐसा लगता है कि पाकिस्तानी प्रतिष्ठान सफाई के मूड में है क्योंकि यह कदम उठा रहा है इमरान खान की सरकार के बचे हुए तत्वों पर दबाव बढ़ा रहा है, जिसमें पूर्व आईएसआई डीजी लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद को "समाधान" करना भी शामिल है। इस महत्वपूर्ण चरण में, लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक को आईएसआई डीजी के रूप में कार्यभार संभालने के लिए चुना गया है। कई अन्य समकालीनों के विपरीत, उनका ट्रैक रिकॉर्ड सीधा–सादे सैनिकों की तरह काम करने का सुझाव देता है और यह अपने आप में एक स्वागत योग्य बदलाव है जो एक और अति–महत्वाकांक्षी, धार्मिक रूप से आवेशित या पक्षपाती जनरल हो सकता था। हालाँकि, भारत कभी भी किसी भी शीर्ष रैंकिंग वाले पाकिस्तानी जनरल के साथ अपनी सतर्कता कम नहीं कर सकता, इंटर–सर्विसेज इंटेलिजेंस के प्रमुख की तो बात ही छोड़िए। लेखक एक सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट–जनरल और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और पुदुचेरी के पूर्व लेफ्टिनेंट–गवर्नर हैं।

तमाम दुष्प्रचार के बावजूद पसंदीदा पाटी बन गयी भाजपा

नीरज

कांग्रेस की ओर से भाजपा पर अक्सर आरक्षण को खत्म करने की साजिश रचने का आरोप लगाया जाता है। इसी आरोप की वजह से लोकसभा चुनावों में भाजपा को बड़ा नुकसान भी हुआ और वह अपने बलबूते स्पष्ट बहुमत हासिल करने से चूक गयी। लेकिन उसके बाद मोदी सरकार ने सबक लिया और एक भी ऐसा अवसर नहीं आने दिया जब दलितों के मन में अपने आरक्षण को लेकर कोई शंका हो पैदा हो। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों की वजह से एससी और एसटी वर्ग के मन में आशंकाएं पनपीं तो मोदी सरकार ने साफ कर दिया कि एससी और एसटी वर्ग के आरक्षण पर कोई आंच नहीं आने दी जायेगी। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से उपजे विवाद के बीच केंद्रीय मंत्रिमंडल ने स्पष्ट कर दिया कि डॉ. भीम राव आंबेडकर के बनाये संविधान में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के आरक्षण में 'मलाईदार तबके' के लिए कोई प्रावधान नहीं है। देखा जाये तो मोदी सरकार का यह स्पष्टीकरण आरक्षण के मुद्दे को लेकर समाज में भ्रम फैलाने वालों पर करारी चोट कर गया। इसके अलावा, इसी साल अगस्त में एक और अवसर आया जब दलितों के मन में आशंकाएं पनपाने का काम किया गया। दरअसल केंद्रीय सेवाओं में लेटरल एंट्री के मुद्दे को उठाते हुए विपक्ष ने कहा कि यह दलितों और पिछड़ों को आरक्षण से वंचित करने की साजिश है। विपक्ष के इस हमले पर तत्काल प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री ने लेटरल भर्ती विज्ञापन को रद्द करने के निर्देश दिये। केंद्र सरकार ने स्पष्ट कहा कि सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, इस कदम की समीक्षा और इसमें सुधार किया जायेगा। सरकार ने साथ ही देश को यह भी बताया कि लेटरल एंट्री के जरिये नियुक्तियों की शुरुआत कांग्रेस ने ही की थी। यह विषय भी दलितों और पिछड़ों को आश्वस्त कर गया कि मोदी के रहते आरक्षण को कोई खतरा नहीं है। इसके अलावा, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरक्षण के मुद्दे पर ऐसा बयान दे दिया जिससे कि भाजपा को कांग्रेस पर हमला करने का बड़ा मौका मिल गया। दरअसल विदेश दौरे के दौरान राहुल गांधी ने एक सवाल के जवाब में आरक्षण खत्म करने की बात कह दी। उनका यह बयान देखते ही देखते वायरल हो गया। कांग्रेस और राहुल गांधी तमाम सफाई और स्पष्टीकरण देते रहे लेकिन यह मुद्दा तूल पकड़ चुका था। राहुल गांधी के इस बयान को इस तरह से पेश किया गया जैसे कांग्रेस तत्काल आरक्षण खत्म करना चाहती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसके बाद अपनी हर सभाओं में कहना शुरू कर दिया कि कांग्रेस कान खोलकर सुन ले... जब तक मोदी है, तब तक बाबा साहेब अंबेडकर के दिए आरक्षण में से रत्ती भर भी लूट करने नहीं दूंगा। भाजपा ने आरक्षण पर राहुल गांधी के बयान से उपजे विवाद को खूब तूल दिया जिससे कांग्रेस को जम्मू–कश्मीर और हरियाणा विधान सभा चुनावों में नुकसान उठाना पड़ा है। अगर आप जम्मू–कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणामों का विश्लेषण करेंगे तो पाएंगे कि भाजपा ने जम्मू में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सभी सात सीटों पर कब्जा कर लिया है जबकि हरियाणा में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 17 में से आठ सीटों पर कब्जा किया है। यह दर्शाता है कि दलित समुदाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के साथ फिर खड़ा हो गया है। हम आपको याद दिला दें कि 2019 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने हरियाणा में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित पांच सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस ने छह सीटें जीती थीं। जम्मू और कश्मीर में 2014 के विधानसभा चुनावों में (2022 में परिसीमन से पहले जिसके परिणामस्वरूप सीटें 83 से बढ़कर 90 हो गईं) भाजपा ने जम्मू में एससी के लिए आरक्षित पांच सीटें जीतीं थीं और कांग्रेस को एक सीट मिली थी। चुनाव परिणाम वाले दिन जब शाम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा मुख्यालय पर विजयी संबोधन दिया था तब उन्होंने अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा के दमदार प्रदर्शन पर भी प्रकाश डाला था। देखा जाये तो हरियाणा में कांग्रेस को दलितों की भारी नाराजगी का सामना करना पड़ा है क्योंकि उसने पूर्व केंद्रीय मंत्री और हरियाणा में पार्टी के सबसे बड़े दलित चेहरे कुमारी शैलजा की बजाय भूपिंदर सिंह हुड्डा को सीएम पद के उम्मीदवार के रूप में पेश किया। हम आपको याद दिला दें कि हुड्डा के पिछले दो कार्यकालों की पहचान जाटों के दबदबे के रूप में की जाती है।

हुड्डा के कार्यकाल में दलितों के खिलाफ अत्याचार की घटनाओं, विशेषकर मिर्चपुर में दो दलितों की हत्या की घटना लोगों के मन में ताजा थीं। भाजपा ने चुनाव प्रचार के दौरान इन घटनाओं का जिक्र तो किया ही साथ ही कांग्रेस पर दलित पृष्ठभूमि के कारण शैलजा को हाशिए पर रखने का आरोप भी लगाया। भाजपा ने राज्य में दलितों के उप–वर्गीकरण की मांग का भी समर्थन किया। बहरहाल, देखा जाये तो 2014 से मोदी सरकार की ओर से ष्समावेशी विकासष पर ध्यान केंद्रित करने के कारण अनुसूचित जाति के वर्गों में भाजपा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बना है। कांग्रेस ने आरक्षण और संविधान पर खतरे की जो कहानी बुनी थी वह भले ही लोकसभा चुनाव में काम कर गई हो, लेकिन इसकी गूंज अब खत्म होती जा रही है। भाजपा दलितों के मन में यह बात बिठाने में कामयाब रही है कि बाबा साहेब द्वारा संविधान के माध्यम से दिये गये आरक्षण से कोई छेड़छाड़ नहीं कर सकता और प्रधानमंत्री मोदी के रहते कोई आरक्षण को खत्म नहीं कर सकता।

सावी हास्पिटल्स द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का भव्य उद्घाटन, गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में संपन्न

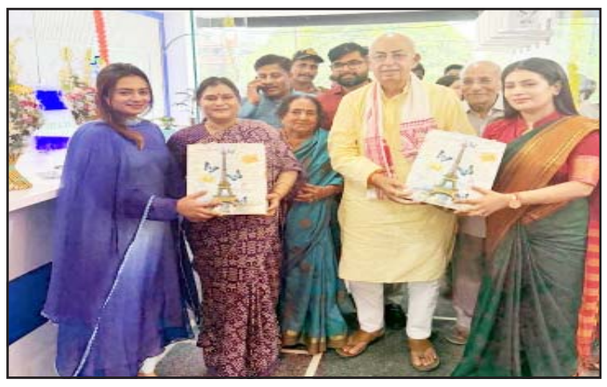

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सावी हॉस्पिटल्स, जो शहर के नवीनतम और अत्याधुनिक स्वास्थ्य केंद्रों में से एक है, ने आज समाज के वंचित वर्गों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि श्री नरेंद्र सिंह, माननीय उपाध्यक्ष, पूर्वांचल विकास बोर्ड, और सुनिता सिंह, प्रशासनिक प्रबंधक, KIPM, GIDA, गोरखपुर, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस शिविर में त्वचा रोग, स्त्री रोग, फिजियोथेरेपी, डेंटिस्ट्री, जनरल फिजिशियन, और बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा मुफ्त परामर्श प्रदान किया गया। इसके साथ ही, मेडिसिन और पैथोलॉजी पर भी मरीजों को 20: तक की छूट दी गई है।

10 अक्टूबर 2024 से 30 अक्टूबर 2024 तक सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक निःशुल्क ओपीडी सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर माननीय मुख्य अतिथि श्री नरेंद्र सिंह ने सावी हॉस्पिटल्स की इस प्रयास की सराहना की और इसे पूर्वांचल के स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य के लिए ष्आशा की किरणष बताया। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता को बढ़ावा देने और समुदाय के कल्याण में इस प्रकार की पहलों के महत्व पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि सुनिता सिंह ने अस्पताल की टीम की प्रतिबद्धता की प्रशंसा करते हुए कहा कि सावी हॉस्पिटल्स पूरे क्षेत्र में अन्य स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए एक मिसाल कायम कर रहा है, जो सामुदायिक कल्याण और किफायती चिकित्सा सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करता है। सावी हॉस्पिटल्स की संस्थापक और निदेशक, सौम्या सिंह, ने गणमान्य अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह शिविर अस्पताल की सामाजिक सेवा के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि उनका उद्देश्य सावी हॉस्पिटल्स को क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमुख केंद्र बनाना है। निःशुल्क चिकित्सा शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों ने भाग लिया और उन्हें अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिला।

30 अक्टूबर तक जंगली बाबा प्रांगण में महारूद्र यज्ञ होगा आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आज विजय दशमी के दिन श्री जंगली बाबा प्रांगड़ मे आगामी 21 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक आयोजित उींतनकत यज्ञ आयोजित है. इस अवसर पर महान संत स्वामी परमेश्वरआनन्द सरस्वती जी महाराज की देख रेख मे झंडारोहन किया गया जिसमे हवन पूजन आदि कर्म कांड सम्पन्न हुआ. इस अवसर पर सौरभ कुमार अध्यक्ष ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन, जहुलन भईया, हरे राम दुबे घनश्याम सिंह ललन गुप्ता डाक्टर विनय कुमार सिंह ललन यादव विंध्याचल सिंह राज नारायन यादव अनाड़ी जी गोवर्धन यादव प्रशांत कुमार अशोक गुप्ता मोहन साहू इत्यादि दर्जनों की संख्या मे लोग उपस्थित रहे। यज्ञ के यजमान नंद जी यादव व उनकी पत्नी है. कर्म कांड पंडित छोटे लाल उपाध्याय व उनके सहयोगी रहे।

ज्ञान विज्ञान मेले का धूमधाम से हुआ आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

हरदोई। जनपद के श्री बाबूराम सरस्वती शिशु मन्दिर अल्लीपुर में ज्ञान विज्ञान, गणितीय, सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। जिसमें जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए प्रतियोगियों ने प्रतिभा किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला मंत्री विद्या भारती शीर्षेन्दुशील त्रिवेदी विपिन मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों को रोली बैच लगाकर हुआ। उसके उपरांत वंदना का कार्यक्रम हुआ। वंदना के कार्यक्रम के पश्चात मुख्य अतिथियों का अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

ज्ञान विज्ञान, गणितीय, सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का शुभारंभ हुआ। जिसमें संस्कृत प्रश्न, वैदिक गणित प्रश्न मंच, विज्ञान प्रश्न मंच,विज्ञान पत्र वाचन, गणित पत्र वाचन , गणित प्रदर्श विज्ञान प्रदर्श आदि का आयोजन हुआ। आपको बता दें कि प्रतियोगिताओं में जो भी भैया बहन विजयी हुए है। वह कल प्रांतीय प्रतियोगिताओं श्री बाबूराम सरस्वती शिशु मंदिर अल्लीपुर में प्रतिभाग करेंगे। इस मौके पर मुख्य रूप से संभाग निरीक्षक लखनऊ श्याममनोहर शुक्ल, सीतापुर संभाग निरीक्षक रणवीर सिंह, सर्वव्यवस्था प्रमुख प्रमुख देवेंद्र पाल सिंह आज उपस्थित रहे।

गुमशुदा किशोरी का नहर मे मिला शव, कार्यवाही में जुटी पुलिस

सुजानगंज। क्षेत्र के सकापुर नहर मे एक किशोरी का शव मिला, जिसकी पहचान सरिता सरोज (21)वर्ष पुत्री कल्लू सरोज के रूप मे हुई है. पुलिस शव को लेकर आवश्यक कार्यवाही मे जुटी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार क्षेत्र के सकापुर नहर मे देर शाम कुछ ग्रामीणों ने एक शव को देखा जिसकी सूचना प्रधान और पुलिस को दी मौके पर पुलिस पहुंची. जिसकी पहचान सरिता कुमारी ग्राम कोलाहलपुर थाना सुजानगंज के रूप मे हुआ है. मृतक के भाई आकाश ने बताया की मेरी बहन की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और वह गुरुवार से ही घर से गायब हो गई थी जिसकी सूचना थाने पर दी और अतिरिक्त स्थानीय लोगो को पम्पलेट के माध्यम से दिया गया था शनिवार की देर शाम पुलिस के द्वारा मेरे परिजनों को नहर मे शव मिलने की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर हम लोगो ने उसका पहचान किया तो उसी लड़की के रूप में पहचान हुई और शव को नहर से निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए थाने पर ले जाया गया. वहीं पर परिजनों की आशंका है कि दुष्कर्म करने के बाद हत्या कर फेंका गया है।

ग्राम स्वराज्य यात्रा का प्रसाद गांव को परिवार बन जाना चाहिए – रमेश भइया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज्य पदयात्रा के दौरान रमेश भइया सूत्रधार विनोबा विचार प्रवाह बाबा विनोबा का संदेश गांव गांव पहुंचाते हुए कहते थे कि गांव ऋगांव के गरीबों को,अमीरों की,भूमिहीन और भूमिवालों का एक परिवार बन जाना चाहिए। गांव की कुल सेवा हम सबको करनी है, इसका भान हम सभी को होना चाहिए। आज तो परिवार की सेवा करते है,और गांव की तरफ देखते ही नहीं।परंतु जब गांव की तरफ ध्यान नहीं देते हैं , तो कुटुम्ब की भी सच्ची सेवा नहीं होती। इस तरह गांव की परवाह किए बिना जो घर की सेवा करते हैं,वे सचमुच ही घर की भी सेवा नहीं करते। इसलिए अपने घर को गांव का एक हिस्सा समझ करके गांव की सेवा का काम करना चाहिए। यह हांथ अपने शरीर का एक हिस्सा है। उस हांथ से जो कमाते हैं,वह सारे शरीर को खिलाते हैं,तो सारे शरीर को पोषण मिलता है। अगर हांथ इतनी अक्ल नहीं रखेगा, तो शरीर को खाना नहीं मिलेगा। लेकिन हांथ जानता है कि यह मेरी कमाई नहीं है। मैं तो शरीर का एक हिस्सा हूं, इसलिए कमाई सारे शरीर को दे दूंगा तो शरीर मजबूत बनेगा।

अगर हांथ को शरीर से अलग किया जाए, काटा जाए,तो वह कोई काम नहीं कर सकेगा।शरीर का एक हिस्सा होने के कारण उसमें शक्ति है।

इसलिए हांथ का काम है कि वह शरीर की सेवा करे और उसी से उसका पोषण हो जाता है। इस तरह हमको पहचानना चाहिए कि हम अपने गांव का एक हिस्सा है, तो गांव में जो दुःखी, दरिद्री, और पीड़ित है, उनकी सेवा करके ही हमको खाना चाहिए।भूमिहीनों को भी समझना चाहिए कि हम अपने गांव का एक हिस्सा है, इसलिए गांव की सेवा अत्यंत प्रामाणिकता से करें, काम में चोरी न करें। आज तो मजदूर और मालिक दोनों ग्रामसेवा का विचार समझे नहीं है । हर कोई अमीर और मालिक बनना चाहता है। इस तरह हमारे चित्त में मत्सर ही मत्सर होता है। तो इसका परिणाम यह है कि आज गांव के लोग सुखी नहीं हैं। यह लोगों को समझाना हमारा काम है। अगर लोग इतना समझ जाए, तो उनकी खूब ताकत बढ़ेगी।

भारतीय क्षत्रिय समाज के तत्वावधान में संपन्न हुआ शस्त्र पूजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विजयदशमी के पावन पर्व पर भारतीय क्षत्रिय समाज द्वारा शस्त्र पूजन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। समागम का स्वागत भारतीय क्षत्रिय समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष मा० अनिल सिंह गहलोत जी द्वारा किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष के द्वारा राज्यसभा सांसद मा0 डॉ दिनेश शर्मा, पूर्व मंत्री मा0 डॉ महेंद्र सिंह ,विधायक सरोजनी नगर मा0 राजेश्वर सिंह, मनकामेश्वर मंदिर की महंत दिव्या गिरी जी , लेटे हुए हनुमान जी मंदिर के मुख्य सेवादास डॉ विवेक तांगड़ी, मंचस्थ अतिथियो का परिचय देते उन पर अपना मत रखा, अध्यक्षीय भाषण से समागम का प्रारम्भ हुआ तदुपरांत डाक्टर दिनेश शर्मा जी, डॉ महेंद्र सिंह जी, विधायक राजेश्वर सिंह ने अपनी बात रखी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनिल सिंह गहलोत जी ने अपने सम्भाषण में क्षत्रियों को एक रहते हुए अपनी शक्ति को स्थापित कर सनातन के नेतृत्व हेतु आवाहन किया। उन्होंने राम के आदर्श, त्याग, संकल्प व सहिष्णुता तथा महाराणा प्रताप के बलिदान के विषय में बताया। वहीं डॉ दिनेश शर्मा जी द्वारा शास्त्र और शस्त्र दोनों के महत्त्व पर प्रकाश डाला। डॉ महेंद्र सिंह जी ने क्षत्रिय को राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए आवाहन किया तो वहीं विधायक श्री राजेश्वर सिंह जी ने क्षत्रिय जाति को लोक रक्षक की भूमिका निभाने की बात कही। कार्यक्रम में धन्यवाद राष्ट्रीय संयोजक श्री छेदी सिंह जी द्वारा प्रेक्षित किया गया। इस अवसर पर डाक्टर पंकज सिंह भदौरिया को अध्यक्ष पद की घोषणा समागम की अनुमति के साथ की गई, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अगंवस्त्रम उढ़ाकर डॉ पंकज सिंह भदौरिया को मनोनयन पत्र सौपा। इस अवसर पर विशाल शाही, सेवानिवृत आई० पी० एस० डॉ आर के एस राठौर, जितेंद्र शाही, माता जी नयन तारा, शिक्षाविद एस के डी सिंह, राष्ट्रीय महामंत्री एडवोकेट अरविन्द सिंह, संयुक्त सचिव कमल सिंह, प्रदीप सिंह बब्बू सहित हजारो की संख्या में स्त्री–पुरुष उपस्थित थे भारतीय क्षत्रिय समाज के इस शस्त्र पूजन कार्यक्रम को ठाकुरो के एकजुटता में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इस कार्यक्रम में आये हुए लोगो में विशेष कर बड़ी संख्या में महिलाओ की उपस्थिति त्योहार के दिन प्रासंगिक रही।

अस्त्र–शस्त्र पूजन के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने मनाई विजयदशमी

सुल्तानपुर। 12 अक्टूबर सुबह 7:00 बजे, एमजीएस इंटर कॉलेज के प्रांगण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सुल्तानपुर नगर का श्री विजयादशमी उत्सव मनाया गया कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्रीमान मिथिलेश जी'(क्षेत्र बौद्धिक शिक्षण प्रमुख) रहें। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 7:00 से हुई। 8:15 बजे एमजीएस प्रांगण से स्वयंसेवकों का पद संचलन निकल कर शहर के विभिन्न स्थानों से होकर पुनः एमजीएस प्रांगण में आया पद संचलन का मार्ग एमजीएस प्रांगण से शुरू होकर राहुल चौराहा – बाध मंडी– शाहगंज चौराहा – डाकखाना चौराहा – दीवानी चौराहा से पर्यावरण पार्क के सामने हनुमानगढ़ चौराहे से होते हुए पुनः एमजीएस प्रांगण में समाप्त हुआ विजयदशमी उत्सव में विभाग संचालक डॉक्टर एके सिंह नगर संचालक अजय सिंह वरिष्ठ अधिवक्ता व डीजीसी रामचंद्र मिश्रा एडवोकेट अनिल अग्रवाल रूपेश सिंह शाहिद सैकड़ो स्वयंसेवकों की उपस्थिति रही।

बरतारा जैसा गांव विकसित करने का संकल्प, मिजोरम का प्रसाद झाड़ू विनोबा आश्रम को भेंट किया – डा ओम प्रकाश सिंह

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वावलंबन के माध्यम से ग्रामीण परिवेश में आधारभूत बदलाव के लिए विनोबा सेवा आश्रम, बरतारा, शाहजहांपुर के प्रयास अनुपम और अद्वितीय हैं। युवा पीढ़ी के जो लोग अपने गांव और समाज के लिए कुछ करना चाहते हैं, उनके लिए यह संस्थान एक बेहतरीन ट्रेनिंग सेंटर है। क्योंकि यहां पर।शून्य से अनंत की यात्रा रमेश भइयाऋ विमला बहन द्वारा की गई है। बरतारा गांव के श्री कन्हई लाल से गौशाला में कार्य करते हुई भेंट हुई तो उन्होंने बताया कि हम सबने।देखा है कि यह दोनो लोग रोजा से पैदल चलकर यहां आए और जैसे थे वैसे ही खुले आसमान के नीचे रहना शुरू किया। गांव के लोगों ने जो जगह बताई वहीं छप्पर डालने के प्रबंध जुटाए गए। महिलाओं को सिलाई सिखाकर मशीन दी गई। और वहीं से शुरु हो गई बन के तारा से बरतारा बनाने की यात्रा जिसे देखने सुनने हेतु उत्तर प्रदेश सुल्तानपुर से टीम 5 पाण्डवष का एक दिवसीय विजिट एवं लर्निंग टूर इस आश्रम में पहली बार हुआ। आश्रम परिवार के हर एक जन का व्यवहार आत्मीय और पारिवारिक था। संग्रह एवं स्वार्थपरता के इस युग में आश्रम के लोगों का कम संसाधन में सेवा का भाव और समर्पण इस बात का गवाह है कि धर्म और मानवता अभी जिन्दा है और उस लौ को बड़ा करने में बहुत से सज्जन लगे हुए हैं। इस संस्थान के संस्थापक श्री रमेश भैया जो देश में 35000 किलोमीटर की ग्राम स्वराज्य संदेश पदयात्रा देश भर की कर चुके हैं। लगभग तीन दशक से धन को

स्पर्श नहीं कर रहे हैं। उनका प्रत्यक्ष मार्गदर्शन व सानिध्य, सेवा भाव की समझ पैदा करने, उसे सरल बनाने और जमीनी रुप देने में बहुत महत्त्वपूर्ण है। आश्रम में पूरे दिन का नियोजन इस प्रकार किया गया था कि चर्चा, भ्रमण और भोजन के साथ समय बीतता गया लेकिन देखने तथा सीखने की लालसा बढ़ती रही??

टीम के प्रमुख।डा ओमप्रकाश सिंह कृषि वैज्ञानिक मिजोरम ने आश्रम पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि आश्रम के दो परिसर हैं पहले में बाबा विनोबा के तीन शब्द लक्ष्मी, दुर्गा, सरस्वती निरंतर कान में गूंजते रहे। शिक्षा के क्षेत्र में के जी से पीजी और स्वास्थ्य के क्षेत्र में गांव गांव में देवकी और कस्तूरी की उपस्थिति, और स्वाबलंबन की गवाह वस्त्र बुनाई, कालीन बुनाई, जरदोजी कढ़ाई, सिलाई , और कंप्यूटर की पढ़ाई, आदि हैं। दूसरा परिसर रेलवे लाइन के पार श्रम स्वाध्याय मंदिर के नाम से जहां 11 वर्ष संकल्प कुटिया में रहकर रमेश। भइया और विमला बहन ने छप्पर कुटिया में रहकर तपस्या की है। यहां पर प्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने जननी माता गो माता और धरती माता अर्थात त्रिमाता उपासना कुटीर को समर्पित किया है। इस परिसर में आप मौन विचरण करें तो यहां के सैकड़ों वृक्ष, तिनका तक न उगने वाली जमीन में लहलहाती हुई घास या गुलाब के फूल ,और घायल व्यथित गायों की प्रसन्नता भरी आवाज यहां की 28 वर्ष की कहानी खुद कह देगी। यह दोनो स्थान रामहरि शब्द से अभिमंत्रित हैं। सुल्तानपुर के श्री राम बहादुर यादव , श्री शैलेंद्र सिंह जी ने भी विनोबा सेवा आश्रम की गतिविधियों की सराहना की साथ ही साथ अपने समूह से निर्मित अचार और चूर्ण भी दिया। विमला बहन ने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि डा ओम प्रकाश जी मिजोरम में बैठकर 3500 से ज्यादा घरों में पांच पांडव 5 पेड़ कार्यक्रम संचालित कर सकते हैं। जो अपने में एक।जीता जागता उदाहरण है। हमारी इच्छा है कि वे अनेक जिलों तक।इस पुनीत कार्यक्रम को बढ़ाने का कार्य करें।ताकि सहजन हर गांव तक पहुंच सके। सभी को अमर सिंह जी ने शिक्षाप्रद गीत सुनाए। और के पी सिंह ने टीम का आभार व्यक्त किया।

उप जिलाधिकारी आई ए एस गामिनी सिंगला ने मां दुर्गा के पट का किया अनावरण

सुल्तानपुर। तहसील क्षेत्र बलदीराय के हलियापुर में श्री नवदुर्गा पूजा समिति के सौजन्य से पंडाल में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा का अनावरण बल्दीराय की उप जिलाधिकारी आई ए एस गामिनी सिंगला ने किया। उपजिलाधिकारी महोदया मां दुर्गा के भव्य पांडाल पर जाकर पहले मां के पट का अनावरण किया फिर मैया की मूर्ति की विधिवत पूजा की और आरती उतारी पट खुलते ही पूरा क्षेत्र मां के जयकारो से गुंजायमान हो गया तहसील के वरिष्ठ अधिवक्ता संजय सिंह ने . भी मां की मूर्ति की पूजा करते हुए आरती उतारी उपजिलाधिकारी ने पट के अनावरण के पश्चात कहा कि दुर्गा पूजा महोत्सव की धूम पूरे क्षेत्र में चल रही है उन्होंने सभी मां के भक्तो से अपील करते हुए कहा कि महोत्सव शांति पूर्वक मनाया जाए कहीं भी किसी प्रकार की द्वेष भावना ना बने जिससे क्षेत्र में तनाव पैदा हो प्रशासन आप लोगों के साथ में है आपकी सहभागिता भी महोत्सव को शांत बनाने में लगातार बनी रहे। उक्त अवसर पर क्षेत्र नवदुर्गा पूजा समिति हलियापुर के अध्यक्ष सर्वेश कुमार सिंह राकेश कुमार तिवारी अजय सिंह मुदित प्रताप सिंह अखन्ड प्रताप सिह धीरेन्द्र प्रताप सिंह प्रभात सिंह इन्द्र बहादुर सिंह महेन्द्र सिंह राम जी कौशल सत्यम कौशल अनिल विश्वास सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोग उपस्थित रहे।

संतराम उर्फ लल्लू अग्रहरि हत्याकांड मामले में नामजद आरोपियों में पुलिस ने 9 आरोपियों को किया गिरफ्तार

सुलतानपुर। व्यवसायी संतराम उर्फ लल्लू अग्रहरि हत्याकांड मामले में नामजद आरोपियों में पुलिस ने 9 आरोपियों को किया गिरफ्तार पकड़े गए लोगों के पास से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त आधा दर्जन असलहा किया बरामद मंगलवार की रात व्यवसायी संतराम उर्फ लल्लू अग्रहरि को मारी गयी थी गोली लखनऊ ले जाते समय रास्ते मे हो गयी थी व्यवसायी संतराम की मौत दोस्तपुर थाना क्षेत्र के गोशैसिंहपुर इलाके का मामला।

शहर में निकले आला अधिकारी दुर्गा पूजा महोत्सव के कैंपों का किया शुभारंभ

सुल्तानपुर। जिला अधिकारी कृतिका ज्योत्सना एसपी सोमेंन वर्मा ने अफसरो के साथ शाहगंज चौराहे पर परंपरागत उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति के कैंप का आला अधिकारियों ने फीता काटकर किया शुभारंभ मंडल सचिव अमर बहादुर सिंह आशीष तिवारी एडवोकेट पवन कुमार अग्रहरी अलीमुद्दीन भाई राकेश शर्मा इस्माइल शमशाद जलील अहमद राम आसरे सोनी ब्रिगेडियर सुशीला सोनी पूनम अग्रहरि संजय कुमार स्वामी प्रसाद संतोष पाठक गोपाल जी आदि मौजूद रहे। केंद्रीय पूजा व्यवस्था समिति के कैंप का चौक मे किया शुभारंभ एसडीएम सदर विपिन द्विवेदी क्षेत्राधिकारी नगर प्रशांत सिंह नगर कोतवाल नारद मुनि सिंह नगर पालिका अधिशासी अधिकारी लाल चंद्र सरोज की मौजूदगी में हुआ शुभारंभ केंद्रीय पूजा व्यवस्था समिति के संरक्षक राजेंद्र सेठ राज्जन सेठ अध्यक्ष ओम प्रकाश पांडेय बजरंगी सुनील श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष प्रवीण कुमार अग्रवाल अनिल द्विवेदी विनोद पांडेय रुपेश शुक्ला दिनेश चौरसिया आनंद शुक्ल राजकुमार सोनी संजय तिवारी पंकज दूबे राजदेव शुक्ल प्रिंस मिश्र संतोष सिंह राज राजेश्वर सिंह विजय सिकरेटरी रवि सोनी हिमांशू गुप्ता मनोज कुमार चतुर्वेदी रजनीश मिश्र पंकज राहुल सेठ राजीव अग्रहरि डी पी श्रीवास्तव राजीव श्रीवास्तव प्रेम चंद्र भारती आदि रहे मौजूद। वहीं जिला सुरक्षा संगठन के कैंप के शुभारंभ में वरिष्ठ साहित्यकार कमलनयन पांडेय सरदार बलदेव सिंह डॉ राजीव श्रीवास्तव संतोष सिंह मो इलियास सरिता श्रीवास्तव रहे मौजूद।

एआरटीओ प्रवर्तन ने 71 वाहनो का किया चालान

अयोध्या। सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के तहत परिवहन विभाग द्वारा ओवरलोड,गलतधबिना एचएसआरपी नम्बर प्लेट वाहनों, बिना रिफ्लेक्टर टेप लगे वाहनों एवं सड़क के किनारे अवैध खड़े वाहनों के विरूद्ध चेकिंग अभियान चलाया गया।इस संबंध मे एआरटीओ प्रवर्तन प्रवीण सिंह ने बताया कि इस अभियान मे 41 ओवरलोड,नो पार्किंग के 12, बिना एचएसआरपी नम्बर प्लेट के 06 एवं बिना रिफ्लेक्टर टेप लगे 04 एवं रॉग साइड ड्राइविंग के 08 वाहनों सहित 71 वाहनों का चालान किया गया। उन्होने बताया कि वाहन में निर्धारित क्षमता से ज्यादा भारध सवारिया बैठा कर वाहन का संचालन कदापि नही करना चाहिए। ओवर लोड करने से सड़क हादसों की सम्भवना बढ़ जाती है तथा ओवरलोडिंग करते हुए पकड़े जाने पर 10,000 रूपये का जुर्माने का प्राविधान है। यात्रीध्मालकर अधिकारी राजेश कुमार ने कहा कि वाहन चालकों को रात्रि में हेडलाइट में दो तरह के सेटअप होते हैं, पहला हाई बीम और दूसरा लो बीम का प्रयोग करे। वहीं जब हाई बीम ऑन किया जाता है तो ज्यादा रोशनी मिलती है, जो दूर तक जाती है। जबकि, लो बीम में रोशनी कम मिलती है जो कार के आसपास ही रहती है। जब भी आप ड्राइविंग करें, तो ध्यान दें कि अगर कोई वाहन सामने से आ रहा है, तो लो बीम पर गाड़ी चलाएं। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो सामने से आने वाले वाहन के ड्राइवर की दृष्यता पर असर डालता है तथा ओवरलोडेड वाहन को रुकने के लिए अधिक दूरी की आवश्यकता होती है। बालकृष्ण उपाध्याय, हरगोविन्द उपाध्याय आदि लोगो मौजूद रहे।

योगी सरकार का एक्शन जौनपुर सीआरओ निलंबित

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। एनएचआई घोटाले में मुख्य राजस्व अधिकारी गणेश प्रसाद सिंह को उत्तर प्रदेश शासन ने निलंबित कर दिया।

कयास लगाया जा रहा है कि शासन ने यह कार्रवाई तत्कालीन जिलाधिकारी रविंद्र कुमार के द्वारा भेजे गए पत्र के आधार पर किया है। बड़ी मछली का गर्दन नपने के बाद प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया है। मालूम हो कि सड़क के निर्माण में जमीनों के अधिग्रहण में विभागीय अधिकारियों कर्मचारियों की मिली भगत से करोड़ो रूपये का घोटाला हुआ है। घोटाले की जांच के उपरांत इसमें शामिल सभी लोगों के खिलाफ सी आर ओ ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले की पूरी जांच मुख्य विकास अधिकारी सीलम साई तेजा द्वारा किया जा रहा था। जिनकी जांच रिपोर्ट के बाद निवर्तमान जिलाधिकारी द्वारा शासन को पत्र लिखा गया था। बदलापुर, मछलीशहर, मड़ियाहूं और सदर तहसील क्षेत्रों में अधिग्रहित की गयी जमीनों में भारी गोलमाल हुआ कही ग्राम समाज की जमीन को फर्जी काश्तकारों को पैसा का भुगतान किया गया कही जंगल खाते की जमीन के पैसे का बंदर बांट किया गया। अभी तक अधिकारिक पुष्टि के अनुसार इस घोटाले में विभागीय कर्मचारियों के अलावा बेसिक शिक्षा विभाग का टीचर राहुल सिंह भी शामिल है।

जब एनएचएआई में जमीनों का मुआवजा दिया जा रहा था।चर्चाओं का बाजार गर्म है वही पर तरह तरह की बातें सामने आ रही है कि जब मुआवजा दिया जा रहा था।उस समय तत्कालीन सीआरओ रजनीश राय थे। अगर सही से जांच हो तो कई अधिकारी भी दोषी पाए जाएंगे।

भारत सरकार के प्रयास से स्वरोजगार एवं कुटीर उद्योग को मिला बढ़ावा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारत सरकार की एमएसएमई मंत्रालय, नोडल संस्था राष्ट्रीय हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषद, तकनीकी संस्था परिवर्तन समाज विकास समिति एवं यूएसएस फाउंडेशन के सम्मिलित सहयोग से रंजीतपुर, जौनपुर में आयोजित सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम से महिलाओं में जागरूकता आ रही है। महिलाओं में उद्यमिता की भावनाएं जगी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही शिखा सिंह ने बताया कि, महिलाएं अब रोजगार के लिए, सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं में संपूर्ण भागीदारी दे रही हैं। महिलाओं में हथकरघा उद्योग के प्रति आकर्षण बढ़ा है। महिलाएं लघु एवं कुटीर उद्योग में अपनी रुचि रखने लगी है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम हमारे कलाकारों को नए एवं सुंदर उत्पादों के नए विचारों एवं नवाचारों से परिचित करा रहा है। जिससे उनके उत्पादन को आकर्षक एवं बेहतर बनाने में मदद मिल रही है। पारसनाथ सिंह ने बताया की भारत सरकार की लगातार पहल है, लघु उद्योग को बढ़ाना। लघु उद्योग समाज की एक महत्वपूर्ण इकाई है। जिसके सहयोग से समाज को व्यवस्थित किया जा सकता है। लघु उद्योग का राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कार्यक्रम जनार्दन सिंह की देखरेख में संपन्न हुई।कार्यक्रम में अशोक कुमार सिंह,पारसनाथ सिंह,आनंद कुमार सिंह,सुषमा सिंह,बिंदु गौड़,अश्वनी गौड़, बंदन, ग्राम प्रधान सावित्री देवी, सरिता देवी,सपना सिंह,पुष्पा सिंह,अनिल गौड़ आदि लोग उपस्थित रहे।

विश्व शांति के लिए संगठित हिंदू शक्ति आवश्यक – डा0 उदय

रिपोर्ट जय प्रकाश तिवारी

सुजानगंज, जौनपुर। विश्व में शांति स्थापित करने के लिए एक मेव मार्ग है संगठित हिंदू शक्ति। संगठित हिंदू शक्ति के माध्यम से ही विश्व में शांति स्थापित की जा सकती है । उक्त उद्गार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संपर्क प्रमुख डॉक्टर उदय जी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा आयोजित शस्त्र पूजन कार्यक्रम में जूनियर हाई स्कूल सुजानगंज पर रविवार को मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किया। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना के औचित्य पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि सनातन संस्कृति ही ऐसी है जो वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत पर कार्य करती है और सर्वे भवंतु सुखिनः का उद्घोष करती है। सनातन संस्कृति में कभी भी पूजा पद्धति को लेकर कोई विरोध नहीं हुआ है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्थापना के शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर रहा है ऐसे में हम सभी स्वयंसेवकों का दायित्व है कि हम गांव–गांव घर–घर समर्पित स्वयंसेवक तैयार करें तभी और तभी विश्व शांति संभव है। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिनेश मिश्रा संचालन तरुण जी अधिकारी परिचय राम प्रकाश जी ने कराया। शस्त्र पूजन के बाद पद संचलन किया गया। इस अवसर पर रावेन्द्र जी देवेंद्र जी सुरेश, श्याम शंकर पाण्डेय,वीरेंद्र बहादुर संगम लाल शर्मा आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

प्रेमी के घर पहुंच कर प्रेमिका ने लगाई फांसी, हुई मौत

सिद्धार्थनगर, संवाददाता। सिद्धार्थनगर जिले में शोहरतगढ़ के चिल्हिया थाना क्षेत्र के बुकनिहा खालसा गांव में गुरुवार रात एक किशोरी प्रेमी के घर पहुंच गई और वहां फंदे से झूल गई है। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। बताया जा रहा है किशोरी ने प्रेमी को बुलाया था, लेकिन वह नहीं पहुंचा इसलिए वह उसके घर पहुंच कर फंदा लगाकर झूल गई। हालांकि लोग इसे हत्या भी मान रहे हैं। फिलहाल पुलिस की जांच में सब कुछ सामने आ जाएगा। क्षेत्र बुकनिहा निवासी राम केवल की 17 वर्षीय पुत्री बालकनी ने शुक्रवार सुबह भोर पड़ोस के घर में दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। बालकनी का पड़ोस के एक लड़के से प्रेम प्रसंग चल रहा था। जो मुंबई में रहकर मजदूरी करता है।

गुरुवार को रात में करीब 10 बजे वह लड़का घर आया। किशोरी उससे मिलने के लिए रात में ही उसके घर चली गई। जब लड़का नहीं मिला तो उसके घर पर हल्ला कर बवाल मचाने लगी। मौका देख घर के कमरे में घुस गई और दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। उसी कमरे में दो वर्ष की बच्ची भी सोई थी। स्वजनों ने देखा तो दरवाजा अंदर से बंद हैं तो सब लोगों को बुलाने लगे। किशोरी अंदर से उस लड़के को बुलाने की बात कह रही थी। काफी बुलाने के बाद कोई आवाज नहीं आई। हल्ला सुन किशोरी के मां–बाप भी आ गए। हल्ला सुनकर तमाम ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। कुछ देर बाद कमरे के अंदर से कोई आवाज नही आई। दो वर्ष की मासूम की रोने की आवाज आ रही थी। दरवाजा तोड़ने पर अंदर कुंडी में दुपट्टा से लटकता हुआ उसका शव देख सभी दंग रह गए। सूचना पुलिस को दिया गया। जो मौके पर पहुंचे कर शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई में जुटी हैं।

संक्षिप्त खबरें

बढ़ाई जाएंगी सीवर, पेयजल, स्ट्रीट लाइट और जलनिकासी की सुविधाएं

वाराणसी, संवाददाता। शहर में सीवर, पेयजल, जलनिकासी और स्ट्रीट लाइट की सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। मेयर अशोक कुमार तिवारी की अध्यक्षता में नगर निगम में हुई कार्यकारिणी की बैठक में 1136. 97 करोड़ का पुनरीक्षित बजट पास किया गया। इस दौरान जलकल के 295 करोड़ का पुनरीक्षित बजट भी पास किया गया। बीते गुरुवार को दोपहर एक बजे से शुरू हुई बैठक शाम 4:30 बजे तक चली। पुनरीक्षित बजट के कई बिंदुओं पर चर्चा की गई। वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए मूल बजट 1049.16 करोड़ का था। जिसे 87.81 करोड़ रुपये बढ़ाकर पास किया गया। इसी प्रकार जलकल के 294 करोड़ का बजट 1 करोड़ बढ़ाकर पास किया गया। बैठक में आय, व्यय के मदों पर चर्चा हुई। आय के मदों में 71.02 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की गई। व्यय के मदों में 44.27 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की गई। एसटीपी संचालन के मद में जल निगम को अवमुक्त की जाने वाली धनराशि पर मेयर ने कहा कि जल निगम के कार्यों का नगर आयुक्त और महाप्रबंधक जलकल परीक्षण कर लें। इसके बाद ही जल निगम को धनराशि जारी करें। परेड कोठी पर कंडम वाहनों को पांच दिनों में हटवाएं। सभी जोनों पर जन्म–मृत्यु पंजीयन के लिए कंप्यूटर, कंप्यूटर ऑपरेटर की व्यवस्था करें। दुर्गापूजा एवं दशहरा के पर्व पर पूरे नगर में बेहतर सफाई, मार्ग प्रकाश एवं पैचवर्क की व्यवस्था कराएं। बैठक में नगर आयुक्त अक्षत वर्मा, महाप्रबंधक जलकल अनूप सिंह, उपसभापति नरसिंह दास, सदस्य अमरदेव यादव, प्रमोद राय, गरिमा सिंह मौजूद रहीं।

एलएलबी, एमकॉम और एमएससी पास युवा गार्ड की नौकरी के लिए लगा रहे लाइन

वाराणसी, संवाददाता। योग्यता के हिसाब से नौकरी नहीं मिलने पर उच्च शिक्षा के बाद भी युवा गार्ड की नौकरी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। एलएलबी, एमएससी और एमकॉम कर चुके युवा रोजगार मेले में पहुंच रहे हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनी एसआईएस की ओर से गार्ड की नौकरी के लिए उनका चयन किया जा रहा है। खास बात यह है कि सुरक्षा सैनिक, सुपरवाइजर और ऑफिसर पद के लिए हाईस्कूल पास की योग्यता चाहिए होती है। जबकि सुपरवाइजर और अधिकारी के लिए इंटर और बीए पास भी हो तो चलता है, लेकिन एलएलबी, एमकॉम, बीकॉम, एमएससी, बीएड करने वाले युवा भी आवेदन करने पहुंच रहे हैं। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय और बहुराष्ट्रीय कंपनी एसआईएस की ओर से जिले के सभी ब्लॉकों में रोजगार मेला लगाया जा रहा है। एक ब्लॉक में दो दिन तक मेला लगाया जा रहा है। कंपनी की ओर से चयनित गार्ड को एक महीने की ट्रेनिंग के बाद 13500 से 22000 तक की सैलरी दी जाएगी। इन सभी को बैंक, मंदिर, सोसाइटी, ऑफिसों में तैनात किया जाएगा। बड़ागांव, आराजीलाइन और चिरईगांव ब्लॉक में तीन दिन में 59 युवाओं का चयन हुआ है। एलएलबी, एमकॉम, बीकॉम डिग्रीधारक युवाओं ने भी आवेदन किया था। चोलापुर में 10 अक्तूबर, विद्यापीठ में 16 अक्तूबर, हरहुआ में 17 अक्तूबर, सेवापुरी में 18 अक्तूबर, पिंडरा में 19 अक्तूबर को शिविर लगेगा।

बरेका में इको फ्रेंडली रावण का पुतला तैयार, दशानन के पुतले की लंबाई 75 फीट

वाराणसी, संवाददाता। वाराणसी के बरेका मैदान में इस बार 75 फीट का रावण, 65 फीट का कुंभकर्ण और 55 फीट के मेघनाद का पुतला बनकर तैयार हो गया है। आज शाम को ये पुतले खड़े कर दिए जाएंगे। पुतलों के खड़े होने के साथ ही दशहरा पर्व पर इनका आकर्षण खास होने वाला है। 45 दिनों की तपस्या की सफलता के बाद बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक पर्व को मनाया जाएगा। आपको बता दें कि बरेका में तैयार होने वाला रावण का पुतला साम्प्रदायिक सौहार्द की मिसाल पेश करता है। एक मुस्लिम परिवार तीन पुश्तों से रावण के पुतले को तैयार करता है । पुतले को तैयार करने वाले शमसाद खां की माने तो पहले उनके नाना बरेका के पुतले को बनाते थे उसके बाद इनके पिता भी पुतले बनाते थे और अब ये अपने सात साथियों के साथ परिवार को साथ लेकर पुतले बनाते हैं। बताते चलें कि पुतले को बनाने में पूरी शुद्धता का ध्यान रखते हैं इतना ही नहीं पहले पुतले को लकड़ी और पेपर से आकार दिया जाता है। उसके बाद आकृति उकेरकर उसमें रंग भरे जाते हैं और इस पूरी प्रक्रिया में 45 दिनों का समय लगता है इन दिनों में जैसे जैसे पुतला तैयार होता है इनका काम लगातार बढ़ जाता है पुतला बनाने के साथ समय निकालकर इबादत कर लेते हैं। जब इनसे ये सवाल पूछा गया कि आप हिंदू धर्म का पुतला लगा रहे हैं तो इन्होंने कहा कि ये बातें सियासतदानों की हैं जमीन पर हमारी तहजीब भाईचारे की है।

ट्रेलर से टकराई कार, दो महिलाओं की मौत, तीन लोगों की हालत गंभीर

मऊ, संवाददाता। मऊ के हलधरपुर थाना क्षेत्र के रतनपुरा स्थित डीह तिलक ठाकुर के पास शुक्रवार की सुबह करीब 6:15 पर गाजीपुर की तरफ से बलिया जा रही बोलेरो के चालक को झपकी आने से वाहन सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से भिड़ गया। स्थानीय लोगों की मदद से पांच घायलों को सीएचसी पर लाया गया। जबकि तीन को वहीं से जिला अस्पताल भेजा गया। जिसमें दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक, बलिया जनपद के नगर थाना क्षेत्र के गोठाई बलुआ और चकरा गांव निवासी पांच महिलाएं, दो बच्चियों एक चालक के साथ गाजीपुर में किसी मठ में गए थे।

देवी का भव्य शृंगार, दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लगी कतार

प्रयागराज, संवाददाता। शारदीय नवरात्र की महाअष्टमी पर घरों, शक्तिपीठों, सिद्धपीठों में देवी के महागौरी स्वरूप का फूलों और आभूषणों से शृंगार किया गया। मंगला आरती के बाद जयकारों के बीच दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। आधी रात को शयन आरती के बाद भोग प्रसाद वितरित किया गया। शक्तिपीठ ललिता देवी मंदिर में त्रिपुर सुंदरी भगवती ललिता चांदी के दर्शन को तांता लगा रहा। महिलाओं और पुरुषों ने अलग–अलग कतारों में दर्शन किया। मंदिर में शतचंडी महायज्ञ अनुष्ठान और दुर्गा सहस्रनाम पाठ किया गया। महिलाओं की टोली ने देवी गीत गाए। सिद्धपीठ कल्याणी देवी मंदिर में मंगला आरती से आरंभ दर्शन का क्रम देर रात तक चला। पुजारी सुशील कुमार पाठक की देखरेख में चांदी और जड़ाऊ आभूषणों तथा बहुरंगी फूलों से देवी का शृंगार किया गया। सिद्धपीठ अलोपीदेवी मंदिर में देवी को निशान चढ़ाने के लिए और बच्चों का मुंडन, कर्णछेदन संस्कार कराने के लिए दूर–दूर से श्रद्धालु आए। चौक गंगादास स्थित खेमा माई मंदिर में लाल रंग के फूलों से देवी का शृंगार किया गया। इसी क्रम में समया माई, कालीबाड़ी, कटरा कालीथान, शास्त्रीनगर–सदियापुर तिराहे पर स्थित देवी मंदिर में भी नारियल व चुनरी चढ़ाने सहित महिलाओं ने भजन कीर्तन किया।

आंख की रोशनी मिलने से मनुष्य का जीवन नया हो जाता है - मिजाजी लाल जेल अधीक्षक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मनुष्य का और कोई अंग तो उससे जीवन एकदम नीरस नहीं होता है। लेकिन आंख के। बिना सब निरर्थक लगता है । आंख की रोशनी दिलाना अत्यंत पुण्य का काम है। उक्त विचार शाहजहांपुर के जेल अधीक्षक श्री मिजाजीलाल जी ने सीतापुर आंख अस्पताल सीतापुर द्वारा जय प्रभा कुटीर छीतेपुर में आयोजित नेत्र शिविर का फीता काटकर उद्घाटन करते हुए कहा कि आंख में रोशनी तो डाक्टर के आपरेशन से आती है लेकिन उस अस्पताल तक पहुंचाना बहुत बड़ी सेवा का काम है। गांव में इस प्रकार की सेवा घर घर पहुंचाने का काम विनोबा सेवा आश्रम निरंतर कई वर्ष से कर रहा है। शाहजहांपुर की जेल में इस वर्ष दुर्गा नवव्रत मुसलमान 29 कैदी संपूर्ण व्रत रहे हैं।

विनोबा विचार प्रवाह के सूत्रधार रमेश भइया ने बताया कि विनोबा सेवा आश्रम के निष्ठावान कार्यकर्ता

आस पास के 50 गांवों में प्रत्येक वर्ष करते हैं। इसी का ही प्रतिफल यह होता है कि गांव गांव से सैकड़ों लोग अपनी आंख टेस्ट कराने आते हैं। जो आपरेशन के लिए उपयुक्त मिलते हैं उन्हें सीतापुर आंख अस्पताल का सेवा वाहन लेकर जाता है वहां दूसरे दिन पूरे मनोयोग से चिकित्सा करते हैं।सफल ऑपरेशन के बाद तीसरे दिन प्रत्येक को।चश्मा देकर वापस पहुंचाते हैं। गांव के सम्मानित पूर्व पोस्टमास्टर श्री राजेंद्र पाल सिंह ने कहा कि जय प्रकाश नारायण का जन्मदिन कई वर्षों से हम सब श्रद्धा से मनाते हैं। सेवाधाम मंदिर खूब सेवा का काम करता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जमनालाल बजाज पुरुस्कार से रचनात्मक कार्य के लिए सम्मानित विमला बहन ने कहा कि बहनों की आंख की रोशनी पहले खराब हो जाती है। उनको यह ऑपरेशन सेवा पहले जरूरत है। उन्होंने आशा व्यक्त की।सीतापुर आंख अस्पताल के श्री रामकिशोर शुक्ला जी की टीम इस कार्य को बहुत श्रद्धा से करता है। इस अवसर पर गांव के प्रधान श्री मूलचंद्र, पूर्व प्रधान मोहम्मद एहसान, श्री नन्हेलाल, श्री लाला राम, श्री अखलाक खान, श्री अशोक सिंह, देवेंद्र यादव, कौशल कुमार सक्सेना, पंडित सुधीर भाई श्री रक्षपाल जी।श्री सुरेश चंद्र।जी पंडित शिवकुमार जी आदि ने विचार व्यक्त किए। संचालन श्री जे डी अग्निहोत्री, स्वागत संबोधन श्री हरवंश कुमार और आभार जे पी सेवा ट्रस्ट के सचिव श्री मुदित कुमार ने दिया।

सिलाई में सीखने वाली किशोरियों को। हाइजीन किट जेल अधीक्षक की ओर से वितरित की गई। जो उनके लिए अत्यंत उपयोगी है। सभी को भोज भी कराया गया।

पीसीएस प्री परीक्षा सात-आठ दिसंबर को संभावित

प्रयागराज, संवाददाता। सम्मिलित राज्य प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) प्रारंभिक परीक्षा–2024 सात और आठ दिसंबर को संभावित है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। इसी क्रम में आयोग ने परीक्षा के लिए प्रस्तावित सभी जिलों के डीएम को पत्र लिखकर उपलब्ध केंद्रों की सूची मांगी है। पीसीएस–2024 के लिए 5,76,154 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। आयोग ने इनके लिए 26 और 27 अक्तूबर को प्रारंभिक परीक्षा कराने का निर्णय लिया था। इन तारीखों पर परीक्षा केंद्र उपलब्ध कराने के लिए सभी जिलाधिकारियों को पत्र भी लिखा गया था। हालांकि, आयोग के कैलेंडर में 27 अक्तूबर को प्रारंभिक परीक्षा की बात कही गई है। अब भी आयोग ने इसकी घोषणा नहीं की है कि 27 अक्तूबर को प्रस्तावित परीक्षा स्थगित कर दी गई है, लेकिन सात और आठ दिसंबर को परीक्षा कराने की तैयारी शुरू कर दी है।

आयोग ने सभी जिलाधिकारियों को लिखा पत्र

सभी डीएम को आयोग की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि सात और आठ दिसंबर को दो पालियों में सुबह 9.30 से 11. 30 और दोपहर में 2.30 से शाम 4.30 बजे तक परीक्षा कराने का निर्णय लिया गया है। आयोग ने 17 अक्तूबर तक 480 और 384 अभ्यर्थियों के बैठने की क्षमता वाले परीक्षा केंद्रों की सूची मांगी है।

पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि शासन की ओर से जून में जारी मानकों के अनुसार ही केंद्रों का चयन किया जाए। हालांकि, आयोग की ओर से अभी यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि परीक्षा एक दिन होगी या दो दिन। चूंकि 17 अक्तूबर तक परीक्षा केंद्रों की सूची उपलब्ध हो जाएगी। ऐसे में आयोग के एक वरिष्ठ अफसर के अनुसार तारीख के साथ परीक्षा कितने दिनों में संपन्न कराई जाएगी इस पर एक सप्ताह में निर्णय लिए जाने की उम्मीद है।

बुद्ध सर्किट पर यात्रा निकालेंगे काशी की बुद्धिजीवी, खोजेंगे विश्व शांति का रास्ता

वाराणसी, संवाददाता। बीएचयू समेत देश भर के कवि, प्रोफेसर्स और साहित्यकार 10 दिन में बुद्ध सर्किट को कवर करेंगे। 15 अक्तूबर से 'चरथ भिक्खवे' नाम से ये सांस्कृतिक यात्रा शुरू हो रही है, जो कि 12 जगहों से गुजरेगी। इन जगहों पर गौतम बुद्ध के विरासत मौजूद है। पूरी यात्रा 10 दिन तक चलेगी। सारनाथ से ये यात्रा शुरू होगी। पहला पड़ाव बोध गया होगा, जहां पर गौतम बुद्ध को ज्ञान मिला। इसके बाद राजगीर, पटना, वैशाली, केसरिया, कुशीनगर, लुंबिनी, कपिलवस्तु, श्रावस्ती, अयोध्या, कौशांबी से होते हुए वापस ये यात्रा 25 अक्तूबर को सारनाथ में पूरी होगी।

इस सांस्कृतिक यात्रा के संयोजक बीएचयू हिंदी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. सदानंद शाही ने कहा कि गौतम बुद्ध पर एक नई इबारत लिखी जा रही है। उनके पदचिन्हों पर चलकर मानवता की बात करनी है। इस यात्रा में कई जाने–माने कवि, लेखक, कलाकार, इतिहासकार और समाज विज्ञानी अलग–अलग पड़ावों पर जुड़ेंगे। यात्रा का उद्देश्य पर गौर करें तो भगवान बुद्ध के अलग–अलग पड़ावों पर रहने वाले लोगों से संवाद करना भी है। इस काम में कई नई जानकारियां भी मिल सकती हैं। इस यात्रा में जो भी हासिल होगा, उसको आगे पूरी दुनिया में पहुंचाना है। जिससे विश्व शांति का मकसद भी बेहतर हो सके। इस यात्रा के बीच में कोई भी जुड़ सकता है। 15 अक्तूबर को सारनाथ में सुबह से इस यात्रा की शुरुआत हो सकती है। आपको बता दें कि आज दुनियां मे शांति के संदेश की बड़ी जरूरत महसूस की जा रही है। महात्मा बुद्ध का जुड़ाव वाराणसी से भी है लिहाजा काशी से महात्मा के ज्ञान की स्थली के साथ उनसे जुड़ी हर एक चीज को खंगालकर बुद्धिजीवी आने वाले दिनों में हर एक स्थित को सुधारने का मंत्र तलाशने वाले हैं। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि ये यात्रा न सिर्फ देश बल्कि दुनियां के लिए संदेश देने का काम करने वाली है। यात्रा को लेकर तैयारी की जा रही है। जल्द ही इसे अंतिम रूप देकर शांति स्थापना का प्रयास आगे बढ़ाया जाना है।

छात्रों ने श्रीराम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान और रावण जैसे पात्रों को चित्रित करते हुए उत्साह और शालीनता के साथ प्रदर्शन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, विराज खंड–5 , गोमतीनगर, लखनऊ में रामलीला – मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम की कहानी का भव्य आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभ आरंभ सुबह 9:30 बजे शुरू हुआ, जिसमें नर्सरी, एलकेजी, यूकेजी, कक्षा 1 और कक्षा 2 के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक स्वागत के साथ हुई, तथा उसके बाद गायत्री मंत्र के जाप के साथ दीप प्रज्वलन ने दिव्य आशीर्वाद का आह्वान किया गया , जिससे सभागार में आध्यात्मिक वातावरण बन गया।

विद्यालय की प्रधानाचार्या रचना मिश्रा ने स्वागत भाषण दिया, जिसमें उन्होंने विद्यालय की प्रेरणा स्रोत, अध्यक्षा डॉ. अमिता चौहान के प्रति आभार प्रकट किया तथा माता–पिता, शिक्षकों और विद्यार्थियों सहित सभी उपस्थित लोगों का बुराई पर अच्छाई की जीत का समारोह मनाने में उनकी भागीदारी और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रामलीला का एक मनमोहक नृत्य–नाटिका मंचन था, जिसमें

भगवान श्री राम के जीवन के प्रमुख प्रसंगों को दिखाया गया, जिन्हें उनके धर्म और कर्तव्य के गुणों के लिए मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में सम्मानित किया गया था।

युवा छात्रों ने श्री राम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान और रावण जैसे पात्रों को चित्रित करते हुए उत्साह और शालीनता के साथ प्रदर्शन किया और मंच पर महाकाव्य को जीवंत कर दिया।

प्रसिद्ध हिंदी शिक्षाविद् डॉ. विनीता भंडारी ने रामायण से प्राप्त नैतिक मूल्यों और जीवन के अनुभव पर प्रकाश डालते हुए अपने ज्ञान के शब्द साझा किए।

रामलीला के समापन के बाद, भगवान राम का राज्याभिषेक (राज्याभिषेक) किया गया, जो बुराई पर उनकी विजय के बाद शांति और समृद्धि का प्रतीक है।

कार्यक्रम का समापन छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों की कड़ी मेहनत को स्वीकार करते हुए धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसने कार्यक्रम को दीप्तिमान सफलता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रधानाचार्या सुश्री रचना मिश्रा जी ने रामलीला के मुख्य पात्रों – राम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान के साथ अग्रिम यात्रा का नेतृत्व किया और रावण दहन का औपचारिक आयोजन किया। माता–पिता और छात्रों ने उत्साहपूर्वक धूमधाम यात्रा का अनुसरण किया और बुराई पर इस प्रतीकात्मक जीत के साथ उत्सव का समापन किया।

यह कार्यक्रम एक भव्य सफलता थी, जिसने उपस्थित सभी लोगों पर एक अनूठी छाप छोड़ी और जीवन में धार्मिकता और नैतिक मूल्यों के महत्व को मजबूत किया।

17 पिंक बूथ बनने के बाद महिला अपराध में 16 प्रतिशत की कमी

वाराणसी, संवाददाता। मिशन शक्ति अभियान महिलाओं की सुरक्षा के लिए कारगर साबित हो रहा है। इसके तहत कमिश्नरेट में 17 पिंक बूथ बनाए जाने के बाद महिला अपराध में कमी दर्ज की गई है। पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक सितंबर 2022 से अगस्त 2023 तक महिलाओं से संबंधित 1188 मामले दर्ज किए गए थे। वहीं, पिंक बूथ की स्थापना के बाद सितंबर 2023 से अगस्त 2024 तक महिलाओं से संबंधित 999 मामले दर्ज किए गए। इस तरह से पिंक बूथ की स्थापना के बाद महिला संबंधी अपराधों में 16 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मिशन शक्ति अभियान का पांचवां फेज इन दिनों चल रहा है। इसके लिए महिला को उनके अधिकार और सुरक्षा के बारे में जागरूक करने के साथ ही उनके साथ महिला पुलिसकर्मी संवाद भी कर रहीं हैं। कमिश्नरेट के पुलिस अफसरों का कहना है कि शिकायत मिलने पर त्वरित गति से प्रभावी कार्रवाई के कारण महिला संबंधी अपराधों में कमी दर्ज की गई है। इसमें फील्ड में महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती, महिला हेल्प डेस्क, पिंक बूथ और एंटी रोमियो स्क्वॉड अहम भूमिका निभा रहे हैं।

इन 17 स्थानों पर हैं पिंक बूथ

फिलहाल थाना कोतवाली में बुलानाला, आदमपुर में प्रह्लाद घाट, चौक में चौक चौराहा, लक्सा में नई सड़क, भेलूपुर में चेतमणि चौराहा, लंका में बीएचयू, चितईपुर थाना परिसर, जैतपुरा में संजय गांधी नगर, सिगरा में सिगरा चौराहा, कैंट में नदेसर, शिवपुर में पुरानी चुंगी, लालपुर पांडेयपुर में पांडेयपुर चौराहा, चोलापुर में दानगंज व नियार डीह, मंडुवाडीह में बौलिया तिराहा, लोहता में मुड़ैला तिराहा और मिर्जामुराद में मिर्जामुराद कस्बे में पिंक बूथ है।

बोले अधिकारी

पिंक बूथ की स्थापना के बाद महिला संबंधी अपराधों में कमी दर्ज की गई है। महिला पुलिस चौकी, महिला बीट की अधिक संख्या, एंटी रोमियो स्क्वॉड और बड़ी संख्या में महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती आधी आबादी से संबंधित अपराधों को कम करने में मददगार साबित हुई है।

महाकुंभ पर पहले-तीसरे चरण में 3050 व दूसरे में 7000 बसों का होगा संचालन

प्रयागराज, संवाददाता। यूपी रोडवेज ने महाकुंभ मेले की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। स्नान पर्व को देखते हुए उसे तीन चरणों में बांटा है। पहला चरण 12 जनवरी से 23 तक, दूसरा 24 जनवरी से सात फरवरी व तीसरा आठ से 27 फरवरी तक रहेगा। इसी के हिसाब से बसों का संचालन होगा। इस दौरान 165 मार्गों पर यूपी रोडवेज बसों का संचालन करेगा। पहले व तीसरे चरण में 3050 तो दूसरे में 7000 बसों का संचालन होगा। यूपी रोडवेज के प्रयागराज रीजन ने महाकुंभ को लेकर की गई तैयारियों की जानकारी शासन को अवगत करा दी है। खास बात यह है कि महाकुंभ में प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, अयोध्या समेत प्रदेश के कुल 19 रीजन की बसों को लगाया जाएगा। बसंत पंचमी व तीसरे में माघी पूर्णिमा– महाशिवरात्रि का स्नान पर्व है। पहले–तीसरे चरण में प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, गोरखपुर, कानपुर, आजमगढ़, चित्रकूट, अयोध्या, देवीपाटन एवं झांसी रीजन की 3050 बसों का संचालन प्रमुख स्नान पर्व पर होगा। इसमें सर्वाधिक 450 बसें कानपुर रीजन की रहेंगी। इसके बाद लखनऊ की 400 एवं प्रयागराज रीजन की 390 बसें शामिल रहेंगी। मौनी अमावस्या और बसंत पंचमी का स्नान पर्व दूसरे चरण में है। इस दौरान 7000 बसें चलाई जाएंगी। दूसरे चरण में सर्वाधिक 600 बसें गाजियाबाद रीजन की रहेंगी। इस दौरान इन बसों का संचालन प्रयागराज के कटका झूंसी, सरस्वती द्वार, बेला कछार, बेली कछार, नेहरू पार्क, लेप्रोसी एवं सरस्वती हाईटेक सिटी से होगा।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।